# आर्थिक कारोबारको स्थिति

आर्थिक बर्ष: २०७८/७९

कार्यालय र स्थान : विजयनगर गाउँपालिका, कपिलवस्तु , विजयनगर गाउँपालिका , कपिलवस्तु

| पद | नाम | कार्यकाल सुरु मिति | कार्यकाल समाप्त मिति |
|---|---|---|---|
| कार्यालय प्रमुख | शोभाराम रिजाल | २०७९-६-२ | हाल सम्म कार्यरत |
| लेखा प्रमुख | हिमकान्त आचार्य | २०७८-४-१ | हाल सम्म कार्यरत |
| | | **बेरुजु रकम** | ५०,९२१,२८९ |

स्थानीय तह :

| | | | |
|---|---|---|---|
| **गत बर्षको जिम्मेवारी** | | ३,४५,१०,९६० | |
| **आम्दानी** | | **खर्च** | |
| **संघीय सरकारबाट अनुदान** | ४८,७६,१६,८७५ | **चालु खर्च** | २९,००,३८,११५ |
| **प्रदेश सरकारबाट अनुदान** | ४,५५,७०,८८४ | **पूँजीगत खर्च** | २४,६०,८७,६७४ |
| **राजश्व बाँडफाँट** | ६,७५,००० | **वित्तीय/अन्य व्यवस्था** | १९,७३,८०,४६४ |
| **आन्तरिक आय** | १,९०,२७,६४२ | | |
| **अन्य आय** | १९,०८,१३,०२० | | |
| **कुल आय** | ७४,३७,०३,४२१ | **कुल खर्च** | ७३,३५,०६,२५३ |
| **बाँकी मौज्दात** | | ४,४७,०८,१२८ | |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| १ | | | **परिचय**<br>स्थानीय नेतत्वको विकास गर्दै स्थानीय शासन पद्धतिलाई सदढ गरी स्थानीय तहमा विधायिकी. कार्यकारिणी र न्यायिक अभ्यासलाई संस्थागत गर्न स्थानीय सरकारको संचालन गर्ने उद्देश्यले यस विजयनगर गाउँपालिकाको स्थापना भएको हो । स्थानीय सरकारले संचालन गर्ने कार्यमा सहकारिता. सह–अस्तित्व र समन्वयलाई प्रवर्द्धन गर्न र स्थानीय सरकारका काममा जनसहभागिता. उत्तरदायित्व. पारदर्शिता सनिश्चित गरी नागरिकलाई गणस्तरीय सेवा प्रदान गर्न विजयनगर गाउँपालिकाको उद्देश्य रहेको छ । यस गाउँपालिका अन्तर्गत ७ वडा, ३९ सभा सदस्य, १७३.१९ वर्ग किलोमिटर क्षेत्रफल तथा ४३४४० जनसंख्या रहेको छ । | |
| २ | | | **लेखापरीक्षणको उद्देश्य**<br>स्थानीय तहको वित्तीय विवरण तथा कारोबारको नियमितता तथा औचित्यको आधारमा परीक्षण गरी वित्तीय प्रतिवेदन उपर उचित आश्वस्तता प्रदान गर्नु वित्तीय लेखापरीक्षणको उद्देश्य रहेको छ । वित्तीय लेखापरीक्षणमा पेश भएको श्रेस्ता तथा आर्थिक कारोबारहरुको जोखिम विश्लेषण, लेखापरीक्षण नीति मानदण्ड, व्यवस्थापन प्रतिनिधित्वपत्र, लेखापरीक्षण मार्गदर्शन, व्यवसायिक लेखापरीक्षणका असल अभ्यासको आधारमा तयार गरिएको स्वीकृत लेखापरीक्षण योजना कार्यक्रम र लेखापरीक्षणको विधि अनुसार लेखापरीक्षण सम्पन्न गरिएको छ । | |
| ३ | | | **वित्तिय व्यवस्था**<br>**यस वर्ष गाउँपालिकाको सुत्र (SuTRA) को २७२ बाट देखिएको आय व्यय र बाँकीको विवरण यस प्रकार छ ।** | |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|

प्राप्ती भुक्तानी हिसाव

| विवरण | टिप्पणी | यस वर्ष रु. | | | | गतवर्ष रु. | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | बजेट | आफैले गरेको प्राप्ति/भुक्तानी | वस्तुगत/सोझै भुक्तानी | जम्मा | आफैले गरेको प्राप्ति/भुक्तानी | वस्तुगत/सोझै भुक्तानी | जम्मा |
| **प्राप्ती (क+ख)** | | ५७,७२,१८,५८८.९५ | ५३,९५,६८,९४४.०१ | | ५३,९५,६८,९४४.०१ | ५०,८२,७४,६८६.६० | | ५०,८२,७४,६८६.६० |
| **क. प्राप्ति (संचितकोषमा आम्दानी बाँधिने)** | | ५७,१४,२८,५९२.६३ | ५३,२०,४०,६२३.०१ | ०.०० | ५३,२०,४०,६२३.०१ | ४८,७४,४४,१७४.१० | ०.०० | ४८,७४,४४,१७४.१० |
| ११००० कर | ११ | ११,५९,८३,९००.६३ | १०,९८,७८,८५८.७२ | ०.०० | १०,९८,७८,८५८.७२ | १०,९६,२५,९०९.२० | ०.०० | १०,९६,२५,९०९.२० |
| १३००० अनुदान | | ४२,५३,०९,०००.०० | ४०,३५,५९,२२१.७७ | ०.०० | ४०,३५,५९,२२१.७७ | ३५,२४,१९,१८८.९१ | ०.०० | ३५,२४,१९,१८८.९१ |
| संघीय सरकार | १२ | ३८,७९,३०,०००.०० | ३७,२२,४४,३२६.७७ | ०.०० | ३७,२२,४४,३२६.७७ | ३१,४७,९०,५६६.९१ | ०.०० | ३१,४७,९०,५६६.९१ |
| प्रदेश सरकार | १२ | ३,७३,७९,०००.०० | ३,१३,१४,८९५.०० | ०.०० | ३,१३,१४,८९५.०० | ३,७६,२८,६२२.०० | ०.०० | ३,७६,२८,६२२.०० |
| १४००० अन्य राजस्व | | २,९६,३५,६९२.०० | १,५९,५५,१२२.७७ | ०.०० | १,५९,५५,१२२.७७ | २,४३,६३,३०४.७४ | ०.०० | २,४३,६३,३०४.७४ |
| १५००० विविध प्राप्ति | | ५,००,०००.०० | २६,४७,४१९.७५ | ०.०० | २६,४७,४१९.७५ | १०,३५,७७१.२५ | ०.०० | १०,३५,७७१.२५ |
| ख. अन्य प्राप्ति | | ५७,८९,९९६.३२ | ७५,२८,३२१.०० | | ७५,२८,३२१.०० | २,०८,३०,५१२.५० | | २,०८,३०,५१२.५० |
| वितरण गर्न बाकी राजस्व | | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| कोषहरु | | ५७,८९,९९६. | १४,४५,७५०.०० | ०.०० | १४,४५,७५०. | १,५९,९७,७९१. | ०.०० | १,५९,९७,७९१ |


https://nams.oag.gov.np

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | | | | | | | | | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | ३२ | | | ०० | ५० | | .५० | |
| | | | धरौटी | | ०.०० | ६०,८२,५७१.०० | ०.०० | ६०,८२,५७१.०० | ४८,३२,७२१.०० | ०.०० | ४८,३२,७२१.०० | |
| | | | संघीय, प्रदेश सरकार वा अन्य कार्यक्रम | | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | |
| | | | भुक्तानी (ग+घ) | | ६०,८०,५६,५८८.९५ | ५४,१२,५२,२९८.६२ | | ५४,१२,५२,२९८.६२ | ५६,५१,३०,४३९.५३ | | ५६,५१,३०,४३९.५३ | |
| | | | ग. भुक्तानी (सञ्चित कोषबाट) | | ६०,२२,६६,५९२.६३ | ५३,६१,२५,७८८.६२ | | ५३,६१,२५,७८८.६२ | ५४,२५,५८,९६६.०३ | | ५४,२५,५८,९६६.०३ | |
| | | | २१००० पारिश्रमिक / सुविधा | १८ | १३,०४,९५,०००.०० | १२,१५,८१,९१८.४९ | ०.०० | १२,१५,८१,९१८.४९ | १०,०९,८०,२११.८६ | ०.०० | १०,०९,८०,२११.८६ | |
| | | | २२००० मालसामान तथा सेवाको उपयोग | १८ | ११,१४,२९,८३०.६३ | १०,२०,७६,६४१.१६ | ०.०० | १०,२०,७६,६४१.१६ | १९,७१,०३,३७९.३० | ०.०० | १९,७१,०३,३७९.३० | |
| | | | २५००० सहायता (Subsidy) | १८ | ५,५३,७८,४००.०० | ५,३१,०३,९७९.९७ | ०.०० | ५,३१,०३,९७९.९७ | ०.०० | ०.०० | ०.०० | |
| | | | २७००० सामाजिक सुरक्षा | १८ | १,१०,५४,०००.०० | १,०१,०६,५१८.०० | ०.०० | १,०१,०६,५१८.०० | ३८,३४,७३३.०० | ०.०० | ३८,३४,७३३.०० | |
| | | | २८००० अन्य खर्च | १८ | ३२,०५,०००.०० | ३१,६९,०५७.०० | ०.०० | ३१,६९,०५७.०० | ५,३७,४८,५०१.८७ | ०.०० | ५,३७,४८,५०१.८७ | |
| | | | ३१००० गैर वित्तीय सम्पत्ती / पूँजीगत खर्च | १८ | २९,०७,०४,३६२.०० | २४,६०,८७,६७४.०० | ०.०० | २४,६०,८७,६७४.०० | १८,६८,९२,१४०.०० | ०.०० | १८,६८,९२,१४०.०० | |
| | | | घ. अन्य भूक्तानी | | ५७,८९,९९६.३२ | ५१,२६,५१०.०० | | ५१,२६,५१०.०० | ५६,५१,३०,४३९.५३ | | ५६,५१,३०,४३९.५३ | |
| | | | कोषहरु | | ५७,८९,९९६.३२ | २९,५८,८८१.०० | ०.०० | २९,५८,८८१.०० | १,८३,९४,८९३.५० | ०.०० | १,८३,९४,८९३.५० | |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धरौटी | | ०.०० | २१,६७,६२९.०० | ०.०० | २१,६७,६२९.०० | ४१,७६,५८०.०० | ०.०० | ४१,७६,५८०.०० |
| संघीय, प्रदेश सरकार वा अन्य कार्यक्रम | | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| ङ. यो वर्षको बचत (न्युन) | | (३,०८,३८,०००.००) | (१६,८३,३५४.६१) | | (१६,८३,३५४.६१) | (५,६८,५५,७५२.९३) | | (५,६८,५५,७५२.९३) |
| च. गतवर्षको जिम्मेवारी रकम (अ.ल्या) | | | ४,५८,९१,४८२.८९ | | ४,५८,९१,४८२.८९ | १०,२१,५८,८०७.५० | | १०,२१,५८,८०७.५० |
| वर्षान्तको बाकी रकम (ङ + च) | | (३,०८,३८,०००.००) | ४,४२,०८,१२८.२८ | | ४,४२,०८,१२८.२८ | ४,५३,०३,०५४.५७ | | ४,५३,०३,०५४.५७ |
| | | | | | | | | |
| बैंक तथा नगद बाकी | २४ | | ४,४२,०८,१२८.२८ | | ४,४२,०८,१२८.२८ | ४,६५,९०,२८२.८९ | | ४,६५,९०,२८२.८९ |

**स्थानीय संञ्चित कोषः स्थानीय सञ्चित कोष सम्वन्धमा देखिएका व्यहोरा निम्नानुसार छनः**

स्थानीय तहको एकीकृत वित्तीय विवरणले सो पालिकाको सम्प्रूण आय र व्ययको यथार्थ चित्रण गर्ने गरी कोष तथा लेखा नियन्त्रक कार्यालयबाट C-GAS मार्फत हुन निकासा लगायतका सम्पूर्ण आय व्यय समावेश नगरेको देहाय अनसुार सत्रु र एकीकृत विवरणमा फरक परेको छ ।

| विवरण | म.ले.प.फा.नं. २७२ | एकीकृत आय व्यय विवरण | फरक |
|---|---|---|---|
| गत वर्षको अल्या | 45891482.89 | 34510960 | 11380522.89 |
| यस वर्षको आम्दानी | 539568944 | 743703421 | -204134477 |
| यस वर्षको खर्च रकम | 541252298.6 | 733506253 | -192253954.4 |
| बाँकी मौज्दात | 44208128.28 | 44708128 | -499999.72 |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| | | | स्थानीय तहले प्रयोगमा ल्याएको लेखा प्रणाली सुत्रबाट सृजना भएको म.ले.प.फा.नं. २७२ ले पालिकाको यथार्थ आय व्ययको प्रतिनिधित्व गरेको देखिएन । सबै आय व्ययलाई सुत्रको माध्यमबाट एकीकृत गर्नु पर्दछ ।<br><br>**लेखापरीक्षणको क्रममा असुलीः बढी भुक्तानी भएको छात्रवृत्ती रकम रु. ३२२३६ लेखापरीक्षणको क्रममा असुली भएको छ ।** | |
| ४ | | | **आन्तरिक नियन्त्रण प्रणाली** | |
| ४.१ | | | **आन्तरिक नियन्त्रण प्रणालीः** स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ७८ वमोजिम आन्तरिक नियन्त्रण प्रणाली तयार गरी लागु गर्नुपर्नेमा लागु गरेको पाइएन। यस सम्बन्धमा देखिएका अन्य व्यहोराहरू तपशिल वमोजिम रहेका छन ।<br><br>• स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ११ अनुसार आफ्नो क्षेत्रभित्रको आधारभूत तथ्यांक संकलन, अभिलेखांकन र व्यवस्थापन गर्नुपर्नेमा गरेको पाइएन ।<br><br>• पालिकाले एक आर्थिक वर्ष भित्र भएको आर्थिक कारोवारको अनुसूची १४ वमोजिमको ढाँचामा वार्षिक प्रतिवेदन तयार गरेको पाइएन ।<br><br>• स्थानीय सरकार संचालन ऐन, २०७४ को दफा ७५ बमोजिम एक आर्थिक वर्षमा खर्च हुन नसकी बाँकी रहेको रकम आर्थिक वर्षको अन्तमा स्थानीय तहको संचित कोषमा ट्रान्सफर गर्नुपर्नेमा आर्थिक वर्ष समाप्त भए पश्चात् चालु खर्च खातामा रु. ६८६४७९७।८६ पुँजीगत खर्च खातामा रु. ० र विभाज्यकोषमा समेत गरी रु.० मौज्दात रहेकोमा २०७९ साउन १५ महिना सम्म रु. ४८०८९६० मा संचित कोषमा ट्रान्सफर गरेको ।<br><br>• पालिकाले कार्यक्रमगत तथा योजनागत खाता राखेको पाइएन । साथै पालिकाबाट यस वर्ष संचालित कार्यक्रम तथा योजनाको कार्यान्यवयन र सेवा प्रवाह समेतको वार्षिक कार्यक्रम अनुसारको प्रगति प्रतिवेदन तयार गरेको पाइएन।<br><br>• कार्यालयको श्रेष्ता र बैंकबीचको हिसाव फरक परे वा नपरेको सम्बन्धमा बैंक हिसाव मिलान विवरण तयार नगरेको कारण हिसाव मिलान भए नभएको सम्बन्धमा यकीन गर्न सकिएन ।<br><br>• अन्तर सरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन, २०७४ को दफा १७ बमोजिम मध्यकालीन खर्च संरचना तयार गर्नुपर्नेमा पालिकाले सो बमोजिमको मध्यकालीन खर्चको संरचना तयार गरेको पाइएन ।<br><br>• विषयगत क्षेत्रमा संचालन हुने कार्यक्रममा बैठक भत्ता, भ्रमण भत्ता, तालिम, गोष्ठीतर्फ बढी केन्द्रीत भई वितरणमुखी रहेको पाइयो । | |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| | | | • पालिकाले जिन्सी सामानको एकीकृत विवरण तथा सहायक जिन्सी खाता अध्यावधिक नगरी वडा कार्यालय तथा विभिन्न संघ संस्थालाई वितरण गरेको पाइयो ।<br><br>• वडा कार्यालयमा रहेका जिन्सी सामान अभिलेख पालिकाको मूल जिन्सी खातामा अध्यावधिक गरेको पाइएन ।<br><br>• साना तथा ठूला सबै निर्माण कार्यको नापी किताब कम्प्यूटरबाट तयार गरिएको लुजशिटमा भरी भुक्तानीको लेखासाथ राख्ने गरेको छ । कतिपय निर्माण कार्यलाई थप निरन्तरता दिन वा अन्य कारणले पछि पनि पुनरावलोकन गर्न पर्ने भएकोले आवश्यक परेको समयमा उपलब्ध हुन सक्ने गरी संस्थागत स्मृतिको लागि डिजिटलाईज गरी वा अन्य तवरले सुरक्षित राख्न आवश्यक देखिन्छ ।<br><br>• कतिपय सडक तथा कुलो÷नहर निर्माण तथा मर्मतमा सो स्थानको चेनेज नं. उल्लेख गर्ने नगरेबाट एकै कार्यको लागि दोहोरो भुक्तानी हुन सक्ने र निर्माणस्थलको अनुगमन निरीक्षणमा द्विविधा हुने भएकोले जुनसुकै समयमा पनि निर्माणस्थलको पहिचान हुने गरी चेनेज लगायतका संकेतहरूलाई अनिवार्य गर्नुपर्दछ ।<br><br>• जुनसुकै निर्माणकार्य, मालसामान, परामर्श सेवा वा अन्य सेवा खरिदको लागि लागत अनुमान तयार गर्नुपर्ने व्यवस्था रहेकोमा कार्यालयले निर्माण तथा सेवा सम्बन्धी कार्यको लागत अनुमान तयार गरेको भए तापनि लागत अनुमान वेगर फर्निचर, कार्यालय सामान, कम्प्यूटर आदि खरिद गरेको देखिन्छ ।<br><br>• जिन्सी निरीक्षण प्रतिवेदनमा उल्लेख भए अनुसार विभिन्न मालसामान मर्मत तथा लिलाम गर्नु पर्नेमा गरेको पाइएन ।<br><br>• मूल्य अभिवृद्धि कर नियमावली, २०५३ को नियम ६ (क) अनुसार ठेक्का सम्झौता र कर भुक्तानीको जानकारी सम्बन्धित आन्तरिक राजस्व कार्यालयलाई नदिई आर्थिक वर्षको अन्तमा मात्र दिइएको तथा इ टिडिएस नगरेको ।<br><br>• कार्यालयले उद्देश्य प्राप्तिमा आइपर्ने सम्भावित जोखिमहरू पहिचान गरी निराकरणको प्रयास गरेको अभिलेख नराखेको ।<br><br>• कुनै रकम भुक्तानी दिँदा रित पुगे वा नपुगेको जाँच गरी रसिद बील भर्पाइहरूमा सिलसिलेवार नम्वर राखी कार्यालय प्रमुखले तोकेको कर्मचारीले भुक्तानी भएको जनाउने छाप समेत लगाई दस्तखत गरी प्रमाणित गर्नुपर्नेमा सो अनुसार गरेको पाइएन ।<br><br>• सार्वजनिक खरिद नियमावली, २०६४ को नियम ७ र ८ खरिद अनुसार गुरुयोजना र वार्षिक खरिद योजना तयार गर्नुपर्नेमा तयार गरेको पाइएन।<br><br>• स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा १३ वमोजिम आर्थिक वर्ष शुरु हुनुभन्दा पन्ध्र दिन अगावै पालिकाले आफ्नो क्षेत्रभित्रको निर्माण सामग्री मूल्य, ज्याला, भाडा तथा अन्य महशुलको स्थानीय न्यूनतम दररेट तोक्नु पर्नेमा तोकेको पाइएन।<br><br>• स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ७४(२) अनुसार सार्वजनिक खरिद नियमावली वनाई लागु गर्न सक्ने व्यवस्था भएकोमा वनाएको पाइएन । | |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| | | | • सार्वजनिक खरिद नियमावली, २०६४ को नियम ९७ अनुसार यस वर्ष कार्यसम्पन्न भएका आयोजना तथा कार्यक्रमहरू उपभोक्ता समितिलाई हस्तान्तरण गर्नुपर्नेमा गरेको पाइएन ।<br><br>• संस्था दर्ता ऐन, २०३४ को दफा ३ अनुसार पालिकाबाट संचालन भएका विभिन्न योजना निर्माण गर्न गठन गरेका उपभोक्ता समिति उक्त ऐनको व्यवस्था अनुसार मान्यता प्राप्त हुने गरी दर्ता गरेको पाइएन ।<br><br>• सञ्चालित योजनाको सूचना पाटीमा आय–व्यय, अपेक्षित र वास्तविक लाभका साथै उपभोक्ताको योगदान र कार्यसम्पादन लगायतका विषयमा स्पष्ट गरी सरोकारवाला सहितको सार्वजनिक सुनुवाई र सार्वजनिक परीक्षणलाई अनिवार्य गर्नु गराउनु पर्नेमा अधिकांशतः पालना भएको पाइएन।<br><br>• वातावरण संरक्षणको एकीकृत दीर्घकालिन योजना तयार नगरेको ।<br><br>• पालिकाको विकास निर्माण व्यवस्थापन तथा सेवा प्रवाहका लागि आवश्यक प्राविधिक तथा प्रशासनिक कर्मचारीको ३६ जनाको दरबन्दी रहेकोमा २१ रिक्त रहेको पाइयो ।<br><br>• सुशासन (व्यवस्थापन तथा सञ्चालन) नियमावली, २०६५ को नियम १४ अनुसार नागरिक वडापत्रमा उल्लेखित सेवाहरूको कार्यान्वियन स्थिति अनुगमन गर्न अनुगमन संयन्त्र तय गरेको पाइएन ।<br><br>• निजामती सेवा ऐन, २०४९ वमोजिम कार्य विवरण वनाई लागु गरेको पाइएन ।<br><br>• निजामती सेवा ऐन, २०४९ को दफा ७ ख २ वमोजिम तलवी प्रतिवेदन पारित गराएर मात्र तलव भत्ता भुक्तानी गर्नुपर्नेमा कार्यालयले कमर्चारीहरूको तलवी प्रतिवेदन पारित नगरी रू. ९१७९६८३।५६ तलब खर्च लेखेको पाइयो । तलबी प्रतिवेदन पारित नहुँदा ग्रेडसमेत यकीन हुन सकेन ।<br><br>• पालिकामा समाहित भएका साविकका गाउँ विकास समितिको नाममा रहेको पेश्की तथा बेरुजु अभिलेख समायोजन भएको पालिकामा कायम गरी नियमानुसार पेश्की फछ्र्यौट तथा बेरुजु सम्परीक्षण कार्य गर्नुपर्नेमा यस पालिकामा समाहित भएका साबिकका विषयगत कार्यालयको बेरुजू लगत तथा सम्परीक्षणको अभिलेख पालिकाले यकीन गरी अध्यावधिक गरेको छैन ।<br><br>• पालिकाले चल अचल सम्पत्ति, दायित्व तथा अभिलेख उक्त कार्यालयहरु समाहित भएका पालिकामा स्वतः हस्तान्तरण हुने व्यवस्था अनुसार पालिकाले सम्पत्तिको अभिलेख तथा जिन्सी लगत तयार गर्नु पर्ने भनी गत विगतको प्रतिवेदनमा उल्लेख भए पनि सो व्यवस्थाको कार्यान्वियन भएको पाइएन ।<br><br>तसर्थ पालिकाले आन्तरिक नियन्त्रण प्रणालीलाई तोकिए बमोजिम प्रभावकारी र विश्वशनीय बनाइ सेवा प्रवाह सुदृढ बनाउने तर्फ ध्यान दिनुपर्ने देखिन्छ । | |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| | | | | |
| ४.२ | | | बेरुजु लगतः बेरुजु लगतका लागि मलेप फारामको व्यवस्था गरिएको छ । म. ले. प. फाराम ८०१ देखि ८०५ सम्मका देहायका म. ले. प. फाराम मध्ये कार्यालयसङ्ग सम्बन्धित म. ले. प. फाराम ८०१ बेरुजु लगत म. ले. प. फाराम ८०२ बेरुजुको कार्यालयगत प्रतिवेदन म. ले. प. फाराम ८०३ – बेरुजुको केन्द्रिय कार्यालयगत लगत म. ले. प. फाराम ८०४ बेरुजुको कार्यालयगत केन्द्रिय प्रतिवेदन म. ले. प. फाराम ८०५ सम्परीक्षण गोश्वारा अभिलेख फाराम राखेको पाइएन । यसमा सुधार हुनु पर्दछ । | |
| ४.३ | | | सवारी साधन र मेशिनरी सञ्चालनको अभिलेखका लागि मलेप फारामको व्यवस्था छ । म. ले. प. फाराम ९०५ बमोजिम सवारी साधन सञ्चालन लगबुक अद्यावधिक गर्नु पर्ने र म. ले. प. फाराम ९०६ बमोजिम त्यस्ता सवारी साधन र मेशिनरीको मर्मत अभिलेख अध्यवधिक गरी राख्नु पर्ने व्यवस्था छ । पालिकाले यस्ता अभिलेख अध्यवधिक गरी राखेको छैन । म .ले.प फारामले तोके बमोजिमका आन्तरिक नियन्त्रण पद्दति लागु गर्नु पर्दछ । | |
| ४.४ | | | भ्रमण खर्च : लुम्बिनी प्रदेश अन्तर्गतका स्थानीय तहका पदाधिकारी तथा सदस्यले पाउने सुविधा सम्बन्धी ऐन २०७५ तथा भ्रमण खर्च नियमावली २०६४ बमोजिम कार्यालयको काममा कर्मचारी तथा पदाधिकारीलाई भ्रमण खर्च भुक्तानी गर्दा देखिएका व्यहोराहरु देहाय बमोजिम छन् ।<br>• अधिकांश भ्रमणको उद्वेश्य र स्पष्ट प्रयोजन कार्यालयकै कामका लागि भएको हो भनी सुनिश्चित हुने विश्वसनीय आधार नदेखिएको ।<br>• नियमानुसार भ्रमण अभिलेख खाता नरहेकाले पदाधिकारी तथा कर्मचारीको भ्रमण सम्बन्धी एकिकृत विवरण प्राप्त हुन नसकेको ।<br>• भ्रमण पश्चात् तोकिए बमोजिम भ्रमण प्रतिवेदन पेश नगरी अधिकांश भ्रमणको भ्रमण खर्च भुक्तानी गर्ने गरेको ।<br>• कतिपय भ्रमणहरु पालिका वा कार्यालयसँग असम्बन्धित खर्च भुक्तानी गर्ने गरेको ।<br>• स्पष्ट प्रयोजन बेगर वडा अध्यक्ष सहितका पदाधिकारीको ७ दिनको भ्रमण आदेश स्वीकृत गरी भुक्तानी गर्ने गरेको ।<br>अतः स्पष्ट प्रयोजन र उद्वेश्य बेगर अधिकांश ७ दिनको समयावधी राखी भ्रमण खर्च भुक्तानी गरेको अवस्थाबाट भ्रमण खर्च भुक्तानीमा दुरुपयोग हुने सम्भावना देखियो । त्यसैले तोकिएको कानुनी व्यवस्थाको पालना गर्दै भ्रमण खर्चमा हुन सक्ने अनियमितता र दुरुपयोग नियन्त्रण गर्न भ्रमण आदेश स्वीकृत गर्ने पदाधिकारीले ध्यान दिनुपर्दछ । | |
| ५ | | | **वित्तीय विवरण** | |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| ५.१ | | | **वित्तीय विवरण**– स्थानीय सरकार संचालन ऐन, २०७४ को दफा ७२ मा गाउँपालिका तथा नगरपालिकाले प्रत्येक वर्षको साउन एक गतेदेखि आगामी वर्षको असार मसान्तसम्मको अवधिलाई आर्थिक वर्ष कायम गरी आय र व्ययको हिसाव राख्नुपर्दछ । सोही ऐनको दफा ६९ मा तोकिए अनुसार गाउँपालिका तथा नगरपालिकाले आफ्नो आर्थिक कार्य प्रणालीको व्यवस्थापन गर्नुपर्दछ । यस सम्बन्धमा देखिएका व्यहोरा देहाय बमोजिम छन् ।<br>• स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ७६(५) मा कार्यालयले स्थानीय सञ्चित कोषमा भएको आयव्ययको चौमासिक शीर्षगत विवरण तयार गरी संघीय अर्थ मन्त्रालय, प्रदेश अर्थ मन्त्रालय, तथा राष्ट्रिय प्राकृतिक स्रोत तथा वित्त आयोगमा पठाउनुपर्ने व्यवस्था रहेको छ।कार्यालयले यो वर्ष सञ्चित कोषको चौमासिक हिसाव तालुक निकायमा पठाएको देखिएन। तहगत अनुगमन व्यवस्थालाई क्रियाशील बनाउन कानून बमोजिमका विवरणहरु तालुक निकायहरुमा पठाउनु पर्दछ।<br>• स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को नियम ७६(२) मा महालेखापरीक्षकबाट स्वीकृत भए बमोजिमको ढाँचामा लेखा राख्नुपर्ने व्यवस्था गरेकोमा महालेखापरीक्षकबाट स्वीकृत भएको NEPSAS based ढाँचामा प्रतिवेदन तयार गरी लेखापरीक्षणमा पेश भएन ।<br><br>त्यसैले तोकेबमोजिमका वित्तीय विवरणहरू तथा खाताहरू अद्यावधिक गरी आय र व्ययको वास्तविक स्थिति देखिने गरी लेखांकन गर्नुपर्दछ । | |
| ५.२ | | | बैक हिसाब मिलान नगरेको – स्थानीय तह सरकार संचालन ऐन, २०७४ को दफा ७६(२) बमोजिम स्थानीय तहले आफ्नो कारोबारको लेखा महालेखा नियन्त्रक कार्यालयको सिफारिशमा महालेखापरीक्षकबाट स्वीकृत भएको ढाँचामा राख्नुपर्ने उल्लेख छ । सो बमोजिम मासिक रुपमा स्रेस्ता र बैंक खाताको हिसाब मिलान विबरण तयार गर्नुपर्नेमा स्थानीय तहले सञ्चालन गरेको देहायबमोजिमको खाताको बैंक हिसाब मिलान विवरण तयार गरेको छ । | |

<table>
<tr><th>क्रम</th><th>भौचर नम्बर</th><th>भौचर मिति</th><th>बिषय</th><th>बेरुजु रकम</th></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td>
<table>
<tr><th>सि.नं.</th><th>खाताको नाम</th><th>श्रेस्ता अनुसार बाँकी</th><th>बैंक स्टेटमेण्ट अनुसार बाँकी</th><th>फरक</th></tr>
<tr><td>1</td><td>संचित कोष</td><td>30425793.96</td><td>30425793.96</td><td>0</td></tr>
<tr><td>2</td><td>विविध खर्च खाता</td><td>1194458</td><td>1194458</td><td>0</td></tr>
<tr><td>3</td><td>कर्मचारी कल्याणकोष खाता</td><td>500000</td><td>500000</td><td>0</td></tr>
<tr><td>4</td><td>पूँजीगत खाता</td><td>0</td><td>0</td><td>0</td></tr>
<tr><td>5</td><td>धरौटी खाता</td><td>11463219</td><td>11463219</td><td>0</td></tr>
<tr><td>6</td><td>चालू खाता</td><td>0</td><td>0</td><td>0</td></tr>
<tr><td>7</td><td>विपद व्यवस्थापन कोभिड</td><td>1124657.32</td><td>1124657.32</td><td>0</td></tr>
<tr><td colspan="2">जम्मा</td><td>44708128.28</td><td>44708128.28</td><td>0</td></tr>
</table>
</td><td></td></tr>
<tr><td>५.३</td><td></td><td></td><td>सार्वजनिक परीक्षणः स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ७८ वमोजिम स्थानीय तहले सार्वजनिक सेवा प्रवाहलाई प्रभावकारी, दिगो र भरपर्दो वनाउन कार्यक्रमको सामाजिक परीक्षण अन्तर्गत सार्वजनिक परीक्षण र सार्वजनिक सुनुवाई गर्नुपर्ने व्यवस्था बमोजिमको कार्य भएको पाइएन । सार्वजनिक परीक्षणको अभावमा आर्थिक कारोबारमा जवफदेहिता र पारर्दशिताको प्रबद्धन गर्ने कार्यमा बाधा पर्ने देखिन्छ । गाँउपालिकाले सामाजिक परीक्षणको लागि विनियोजन भएको रु २ लाख कमन नेपाल प्रालिसंग संझौता गरी खर्च भएको छ ।कमन नेपालले गाँउपालिकाको समग्र अवस्थाको अध्यन प्रतिवेदन पेश गरेको देखिन्छ ।कानुनमा भएको व्यवस्था वमोजिम सार्वजनिक परीक्षण गराउनु पर्दछ ।</td><td></td></tr>
</table>

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| ५.४ | | | स्थानीय तथ्याङ्क, अभिलेख तथा स्रोत नक्साङ्कन : स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ११ बमोजिम स्थानीयतहले आफ्नो क्षेत्रभित्रको आधारभुत तथ्याङ्क संकलन, अभिलेख र सोको ब्यवस्थापन गर्नुपर्ने तथा आफ्नो क्षेत्रभित्रको शैक्षिक, भौगोलिक अवस्था, प्राकृतिक श्रोत अन्तर्गत खानी, जंगल तथा अन्य श्रोत, पूर्वाधार अन्तर्गत सडक, पुल, खानेपानी लगायतको अभिलेख तथा श्रोत नक्साङ्कनसहितको पालिकाको प्रोफाइल तयार गर्नुपर्ने ब्यवस्था छ । पालिकाले स्थानीय तथ्याङ्क सम्बन्धी नीति, कानून र सोको मापदण्ड बनाएको तथा स्रोत नक्साङ्कन गरेको देखिएन । स्थानीय तहका हरेक प्राथमिकीकरणका क्रियाकलाप सञ्चालनमा तथ्याङ्कले महत्वपूर्ण भुमिका खेल्ने हुँदा सोको संकलन र अभिलेख राख्ने कार्यमा पहल हुनु आवश्यक छ । तथ्याङ्कवेगर प्राथमिकतामा राखिएका योजना, बजेट, प्रक्रिया र कार्यान्वियनले उचित सार्थकता नपाउने हुँदा यस तर्फ पालिकाले अभिलेख ब्यवस्थापनमा ध्यान दिनुपर्दछ । | |
| ६ | | | **बजेट तथा कार्यक्रम कार्यान्वयन** | |
| ६.१ | | | नीति तथा मार्गदर्शनः गाउँपालिकाको आ.व. २०७८।०७९ को नीति तथा मार्गदर्शन २०७८ असार १० गते गाउँसभामा प्रस्तुत गरिएकोमा उक्त नीति तथा मार्गदर्शनमा प्रस्तुत भएका विषयवस्तुहरू मध्ये कतिपय व्यहोराहरू यस आर्थिक वर्षमा कार्यान्वियन गरेको पाइएन । गाउँसभामा प्रस्तुत नीति तथा मार्ग दर्शनमा उल्लेखित व्यहोराहरूको कार्यान्वियनको लागि गाउँपालिकाले आवश्यक पहल गर्नु पर्ने देखिन्छ । नीति तथा मार्गदर्शनमा उल्लेख भएका व्यहोराहरू कार्यान्वियन नभएका उदाहरण देहाय अनुसार छन्ः<br>• पशुपन्छी पालन र पशुजन्य व्यवसायमा युवाहरूको सहभागितको लागि उत्पादनमा आधारित अनुदान कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने<br>• भूकम्प प्रतिरोधी भवन निर्माणको लागि भवन निर्माण संहितलाई कडाइका साथ लागु गर्ने<br>• विपद न्यूनीकरणको लागि जलवायु परिवर्तन अनुकुल युक्त पूर्वाधार निर्माण जोड दिने<br>• सहकारी र गरिवी निवारण सम्बन्धी व्यवस्थापन सूचना प्रणालीको प्रभावकारी कार्यान्वियन गर्ने<br>• पशुपालन व्यवसायलाई सम्मानित एवम् रोजारयुक्त क्षेत्रको रूपमा स्थापनाको लागि निर्वाहमुखी पशुपालनलाई व्यवसायिकतामा रूपान्तरण गर्न विशेष कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने | |
| ६.२ | | | कार्यक्रमहरू कार्यान्वियन नभएकोः स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ७१ मा आगामी आर्थिक वर्षको राजस्व र व्यय (बजेट) को अनुमान कार्यपालिकाबाट स्वीकृत गराई असार दश गतेभित्र सभामा पेश गर्नुपर्ने र सभाले कार्यपालिकाबाट पेश गरेको बजेट माथि छलफल गरी आषाढ मसान्तभित्र पारित गरिसक्नुपर्ने व्यवस्था छ । पालिकाले आर्थिक वर्ष २०७८।७९ को लागि रू. ६० करोड २२ लाख ६७ हजारको बजेट पारित गरेको छ । बजेटमा समावेश भएका कुल सूत्र अनुसार ६४४ बटा कार्यक्रम मध्ये यस वर्ष ५५ वटा कार्यक्रमहरू कार्यान्वियन गरेको पाइएन । कार्यान्वियन नभएका रू. ५ लाख भन्दा माथिका कार्यक्रमहरू देहाय अनुसार छन् । | |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| | | | | |

| सि.नं. | कार्यक्रम/आयोजना/क्रियाकलापको नाम | खर्च शीर्षक | स्रोत | विनियोजन रु. |
|---|---|---|---|---|
| १ | भैसी स्रोत विकास केन्द्र साझेदारी | ३११५९ | राजस्व बाँडफाँड - प्रदेश सरकार | ४४०० |
| २ | जिल्ला समन्वय समिति कार्यक्रम गा पा तर्फको | ३११५१ | राजस्व बाँडफाँड - प्रदेश सरकार | ३००० |
| ३ | पत्थरदेइया नहर पक्की गर्ने वडा नं.३ | ३११५५ | लुम्विनी प्रदेश - विषेश अनुदान चालु | २००० |
| ४ | महदैया मैनारी सडक कालोपत्रे | ३११५१ | राजस्व बाँडफाँड - प्रदेश सरकार | १५०० |
| ५ | परसहवा डिहवा गाँउ देखि पश्चिम बाबुलाल भुजको घर देखि दक्षिण सडक स्तरोन्नति | ३११५१ | लुम्विनी प्रदेश - शसर्त अनुदान चालु | १००० |
| ६ | पोषण सुधारको लागि विपन्न समुदायका महिला समूह वा सहकारीहरूलाई विपन्न सदस्यहरूको आयआर्जन सुधार कार्यक्रमको गर्न अनुदान | २२५२२ | नेपाल सरकार - शसर्त अनुदान चालु | ६२९ |
| ७ | ईमिली खर्क भटनी घोला देखि वरगदवा महिलवार सुराई खोला सम्म सडक स्तर उन्नति | ३११५१ | नेपाल सरकार - समानीकरण अनुदान | ५०० |
| ८ | देउपूरा कलामको घर देखि बरगदवा चोकसम्म सडक स्तरन्नोति | ३११५१ | लुम्विनी प्रदेश - समानीकरण अनुदान | ५०० |
| ९ | मधुनगर पोखरी तटवन्ध निर्माण | ३११५४ | लुम्विनी प्रदेश - समानीकरण अनुदान | ५०० |
| १० | पोखरी तथा तलाउ संरक्षण तथा मर्मत संभार | ३११५५ | नेपाल सरकार - समानीकरण अनुदान | ५०० |
| ११ | शंकरपुर थारु गाउँ भिगंराम थारुको घर देखि लालमन थारुको घर सम्म सडक स्तर उन्नति | ३११५१ | नेपाल सरकार - समानीकरण अनुदान | ५०० |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| ७ | | | **बजेट तथा कार्यक्रम** | |
| ७.१ | | | क्षेत्रगत बजेट र खर्चको स्थितिः स्थानीय तहको एकीकृत, समानुपातिक र दिगो विकासका क्षेत्रगत रुपमा समानुपातिक बजेट विनियोजन गरी खर्च गर्नुपर्ने हुन्छ । यस पालिकाको २०७८।७९ को क्षेत्रगत बजेट र खर्चको स्थिति देहायअनुसार रहेको देखिन्छ ।<br>मुख्य क्षेत्र / वार्षिक वजेट / खर्च रकम / कुल खर्च मध्ये प्रतिशत: (see table below)<br>उपरोक्त विवरण अनुसार सभाले विनियोजन गरेको बजेट मध्ये सामाजिक क्षेत्रमा सबैभन्दा बढी ५०.७४ प्रतिशत र सबै भन्दा घटी वित्तीय व्यवस्थापन र सुशासनमा ०.४७ प्रतिशत बजेट विनियोजन गरेको छ । | |
| ७.२ | | | **बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा :** स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ६७(१) मा ४ सदस्यीय बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समिति गठन गरी आगामी वर्षको नीति तथा कार्यक्रम, बजेट तथा कार्यक्रम, कार्यक्रमको प्राथमिकीकरण, विषय क्षेत्रगत कार्यक्रम, योजना तथा कार्यक्रममा दोहोरोपना हुन नदिई आपसी तादाम्यता तथा परिपूरकता कायम गर्नुपर्ने ब्यवस्था अनुसार समिति गठन गरेको भएता पनि आगामी आर्थिक वर्षको नीति तथा कार्यक्रम, कार्यक्रमको प्राथमिकीकरण, कार्यक्रमबीच परिपूरकता कायम गरेको समेत नदेखिएकाले बजेट तर्जुमा गर्दा ऐनमा भएको ब्यवस्थाको परिपालनामा ध्यान दिनुपर्दछ । | |

| मुख्य क्षेत्र | वार्षिक वजेट | खर्च रकम | कुल खर्च मध्ये प्रतिशत |
|---|---|---|---|
| आर्थिक विकास | ३१५४२९९९।६३ | २४८९५०४७।०० | ७८।९२ |
| सामाजिक विकास | ३०५५०२६९२।०० | २८३३१७९३९।७७ | ९२।७३ |
| पूर्वाधार विकास | १७७२२४७७०।०० | १४२५५७३६५।०० | ८०।४३ |
| सुशासन तथा अन्तरसम्बन्धित क्षेत्र | २८३३०००।०० | २७७०८३३६।०० | ९७।८० |
| कार्यालय सञ्चालन तथा प्रशासनिक | ८५१६३१३१।०० | ८२५८४६००।८५ | ९६।९७ |
| जम्मा | ६०२२६६५९२।६३ | ५३६१२५७८८।६२ | ८९।०१ |

<table>
<tr><th>क्रम</th><th>भौचर नम्बर</th><th>भौचर मिति</th><th>बिषय</th><th>बेरुजु रकम</th></tr>
<tr><td>७.३</td><td></td><td></td><td>

**बार्षिक खरिद योजना/गुरुयोजना :** सार्वजनिक खरिद ऐन, २०६३ ले सार्वजनिक निकायले तोकेको सीमाभन्दा बढी रकमको खरिद गर्दा तोकिए बमोजिमको खरिद गुरुयोजना र वार्षिक खरिद योजना तयार गर्नुपर्ने ब्यवस्था छ । यस्तै सार्वजनिक खरिद नियमावली, २०६४ को नियम ७ ले वार्षिक १० करोडभन्दा बढीको खरिद गर्दा गुरुयोजना तयार गर्नुपर्ने नियम ८ ले बार्षिक १० लाखभन्दा बढीको खरिद गर्दा वार्षिक खारिद योजना बनाउनुपर्ने ब्यवस्था छ । यस पालिकाले विभिन्न शीर्षक अन्तर्गत वार्षिक रु. २४ करोड ६० लाख ८७ हजार पूँजीगत खर्च/खरिद निर्माण कार्य गरेको छ । तर पालिकाले आफ्नो खरिद नियमावली नबनाएको अवस्थामा उक्त ऐन, नियम बमोजिम बार्षिक खरिद योजना र गुरुयोजना नबनाई खरिद कार्य गरेको देखियो । अतः पालिकाले उक्त नियमावली बमोजिम खरिद योजना/गुरुयोजना बनाई व्यवस्थित र प्रभावकारी हुने गरी खरिद कार्य गर्नुपर्दछ ।

**लक्ष्य प्रगति :** कार्यालयले चौमासिक र बार्षिक स्तरक प्रगती विवरण बनाई पेश गर्नुपर्नेमा कार्यालयले सञ्चालन गरेका स्थानीय स्तर, जिल्ला तथा केन्द्रिय स्तरका योजनाको नियम बमोजिमको ढाँचामा चौमासिक प्रगती विवरण तयार गरेको देखिएन । बजेट खर्च गर्ने तथा खर्चको तोकिएको ढाँचामा बार्षिक प्रगति तयार नगर्ने प्रमुख प्रशासकीय अधिकृतला्इ जिम्मेवार बनाउनु पर्दछ ।

<table>
<tr><th rowspan="2">कार्यक्रम/योजना</th><th rowspan="2">कुल कार्यक्रम</th><th colspan="5">वार्षिक प्रगति स्थिति</th></tr>
<tr><th>शून्य प्रगती</th><th>२५ % सम्म प्रगती</th><th>५० % सम्म प्रगती</th><th>७५ % सम्म प्रगती</th><th>७५ प्रतिशत भन्दा माथि</th></tr>
<tr><td>कार्यक्रम संख्या</td><td>280</td><td>50</td><td>1</td><td>4</td><td>8</td><td>217</td></tr>
</table>

</td><td></td></tr>
</table>

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| ७.४ | | | त्रैमासिक पूँजीगत खर्चः आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व नियमावली २०७७ को नियम १६(१०) बमोजिम स्वीकृत भएको कार्यक्रममा नियम ३५ बमोजिम त्रैमासिक प्रगति विवरण वनाई पेश गर्नुपर्ने र त्रैमासिक कार्यलक्ष्य तथा कार्यक्रम बमोजिम कार्यसम्पादन सम्पन्न गरी कार्यक्रम कार्यान्वयन गर्नुपर्ने व्यवस्था छ । कार्यालयले उपलब्ध गराएको विवरणअनुसार पूँजीगत खर्च वार्षिक रु. २४ करोड ६० लाख ८७ हजार खर्च भएकोमा प्रथम त्रैमासिकमा रु. ४९ लाख ४३ हजार अर्थात १.७ प्रतिशत, दोस्रो त्रैमासिकमा रु १ करोड ७७ लाख ५८ हजार अर्थात ६.१० प्रतिशत तेस्रो त्रैमासिकमा रु. ५ करोड ३६ लाख ९७ हजार अर्थात १८.४७ प्रतिशत र चौथो त्रैमासिकमा रु.१६ करोड ९६ लाख ८८ हजार अर्थात ५८.३७ प्रतिशत खर्च गरेको देखिएको छ । यसरी नै असार महिनामा मात्र रु. १० करोड ९७ लाख ४९ हजार अर्थात ३७.७५ प्रतिशत खर्च देखिनुले असारमा आएर खर्चको चाप बढेकोले सन्तुलित खर्च ब्यवस्थापन भएको देखिएन । स्वीकृत कार्यक्रम अनुसार त्रैमासिक रुपमा सन्तुलित खर्च हुने गरी कार्यक्रम कार्यान्वयन गरिनु पर्दछ । | |

| क्र.स. | बजेट उपशिर्षक | कुल खर्च | | त्रैमासिक खर्च | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | प्रथम त्रैमासिक | दोस्रो त्रैमासिक | तेश्रो त्रैमासिक | चौथो त्रैमासिक | असार महिना |
| १ | पूँजिगत खर्चतर्फ | 246087674 | 4943545 | 17758467 | 53697167 | 169688495 | 109749153 |
| | प्रतिशत | 84.65 | 1.7 | 6.1 | 18.47 | 58.37 | 37.75 |

<table>
<tr><th>क्रम</th><th>भौचर नम्बर</th><th>भौचर मिति</th><th>बिषय</th><th>बेरुजु रकम</th></tr>
<tr><td>७.५</td><td></td><td></td><td>योजना छनोट र कार्यान्वियन: स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा २४ बमोजिम स्थानीय तहले योजना बनाउँदा सहभागितमूलक, उत्पादनमूलक र प्रतिफल प्राप्त हुने प्रकृतिका योजना छनोट गरी प्राथामिकीकरण गर्नुपर्ने व्यवस्था छ । सभाबाट स्वीकृत वार्षिक गाउँ विकास योजना २०७८।७९ को अध्ययन गर्दा पालिकाले स्वीकृत गरी सञ्चालन गरेको अधिकांश योजना न्यून बजेट भएका र लागत प्रभावी हुने किसिमले संचालन गरेको पाइएन । पालिकाले यस वर्ष संचालन गरेका योजना देहाय अनुसार छन् । (रकम रू. हजारमा)
<table>
<tr><th>विवरण</th><th>रु १ लाख सम्म</th><th>रु १ लाख देखि २ लाख सम्म</th><th>रु २ लाख देखि ५ लाख सम्म</th><th>रु ५ लाख देखि १० लाख सम्म</th><th>रु १० लाख भन्दा बढिको</th><th>जम्मा</th></tr>
<tr><td>योजना संख्या</td><td>0</td><td>0</td><td>13</td><td>5</td><td>15</td><td>33</td></tr>
<tr><td>जम्मा रकम</td><td>-</td><td>-</td><td>3,297,612.32</td><td>4,531,224.46</td><td>126,680,629.00</td><td>134,509,465.78</td></tr>
</table>
उपरोक्त विवरण अनुसार पालिकाले यस वर्ष रू. एक लाख देखि १० लाख माथिका समेत जम्मा ३३ वटा योजना संचालन गरेकोमा रू. १ लाख भन्दा मुनिका ० वटा योजनाहरू रहेका छन् । त्यसैले साना रकमका धेरै योजनाहरू संचालन गर्दा कार्यालयको जनशक्ति वर्षै भरी योजना व्यवस्थापनमा खटिनु पर्ने, संचालित योजनाबाट चालु प्रकृतिका कार्यमा बढी खर्च भई लागत प्रभावी नहुने तथा निर्माण कार्यको गुणस्तरमा समेत नकारात्मक असर पर्ने अवस्था तर्फ ध्यान दिनु पर्दछ ।</td><td></td></tr>
<tr><td>७.६</td><td></td><td></td><td>बजेट सीमा निर्धारण समिति : स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ६६(१) बमोजिम पालिकामा प्राप्त हुने आन्तरिक आय, राजश्व बाँडफाँडबाट प्राप्त हुने रकम, अनुदान, ऋण र अन्य आयको प्रक्षेपण तथा सोको सन्तुलित वितरणको खाका र बजेट सीमा निर्धारण गर्न ७ सदस्यीय स्रोत अनुमान तथा बजेट सीमा निर्धारण समिति गठनको व्यवस्था छ । उक्त समितिले आयको प्रक्षेपण, साधनको सन्तुलित वितरणको खाका, बजेटको कूल सीमा, बजेटको क्षेत्रगत सीमा निर्धारण, बजेट तथा कार्यक्रमको प्राथमिकीकरण, विषयक्षेत्रगत बजेट तर्जुमा मार्गदर्शन तय गर्नुपर्ने जस्ता कार्यहरू फागुन महिनाभित्र सम्पन्न गरी सक्नुपर्ने र बजेट प्रक्षेपण गर्दा बजेट वर्षपछिको थप दुई वर्षको समेत प्रक्षेपण तयार गर्नुका साथै तयार भएको आगामी आर्थिक वर्षको बजेट सीमा प्रमुख प्रशासकीय अधिकृतले चैत १५ गतेभित्र पालिकाका विषयगत शाखा तथा वडा समितिलाई उपलब्ध गराउनुपर्ने कानुनी व्यवस्था छ । ऐनमा व्यवस्था भएअनुसार बजेट सीमालगायत क्षेत्रगत विषय समेटी बजेट प्रक्षेपण सम्बन्धी नियम तथा कार्यविधि तर्जुमा एवं सोको पालनामा सम्बन्धित पदाधिकारीको ध्यान जानुपर्दछ ।</td><td></td></tr>
<tr><td>८</td><td></td><td></td><td>कानून निर्माण एवं कार्यान्वियन</td><td></td></tr>
</table>

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| ८.१ | | | कानून र सञ्चालन स्थिति– स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा १०२ अनुसार स्थानीय तहहरूले आफ्नो अधिकारक्षेत्र भित्रका विषयमा ऐन तथा सोको अधिनमा रही नियम निर्देशिका, कार्यविधि र मापदण्ड बनाई कार्यान्वियनमा ल्याउन सक्ने व्यवस्था छ । जसअनुसार स्थानीय तह सञ्चालनको लागि संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालयबाट ३९ नमूना कानूनहरू बनाई उपलब्ध गराएकोमा यस पालिकाले हालसम्म १८ वटा ऐन, ५ वटा नियमावली, २० वटा कार्यविधि, ७ वटा मापदण्ड र अन्य १३ विधेयक समेत लगायत ६३ वटा कानून निर्माण गरी कार्यान्यिनमा ल्याएको छ । | |
| ८.२ | | | न्यायिक समिति– स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ४६ देखि ५३ सम्म न्यायिक समितिको अधिकाराह क्षेत्र तथा न्याय सम्पादन प्रक्रियाको व्यवस्था गरेको छ । समितिमा परेको उजुरीमध्ये मेलमिलाप प्रकृतिका आधारमा विवाद दर्ता भएको ३ महिनाभित्र टुङ्गो लगाउने व्यवस्था छ । तर लेखापरीक्षणको क्रममा प्राप्त विवरण अनुसार गतबर्ष फछ्र्यौट वा कारबाही किनारा गरी टुङ्गो लगाउन बाकी २९ र यो बर्ष थप भएको ३४ गरी कुल ६३ विवाद दर्ता भएकोमा ५७ वटा मात्र फछ्र्यौट भई ६ बाँकी देखिन्छ । न्याय सम्पादन प्रक्रियालाई ऐनले तोकेको म्यादभित्र फछ्र्यौट वा कारबाही किनारा गरी टुङ्गो लगाउनुपर्दछ । | |
| ९ | | | **सम्पत्ति उपयोग र संरक्षण** | |
| ९.१ | | | सम्पत्ति हस्तान्तरण : स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ९७, ९८ र १०४ अनुसार विषयगत कार्यालयको चल अचल सम्पत्ति, दायित्व तथा अभिलेख उक्त कार्यालयहरु समाहित भएका पालिकामा स्वतः हस्तान्तरण हुने व्यवस्था छ । यसरी हस्तान्तरण हुने सम्पूर्ण सम्पत्तिको अभिलेख तथा जिन्सी लगत खाता २०७५ असार मसान्त भित्र स्थानीय तहले तयार गरी प्रतिबेदन तयार गर्नुपर्ने व्यवस्था गरेकोमा यस पालिकाले सम्पत्तिको अभिलेख तथा जिन्सी लगत तयार नगरेको, कम्प्युटर, ल्यापटप, प्रिन्टर, मोबाईल फोन सेट र अन्य फर्निचर जस्ता मूल्यवान समानहरु जिम्मेवारी सारेको पाईएन । यसरी जिन्सी मालसामानको आम्दानी नजनाउँदा जिन्सी मालसामानहरु हराउने र हिनामिना हुन सक्ने हुँदा खरिद गरिएका मालसामानहरुको प्रकृति अनुसार सम्बन्धित जिन्सी खातामा आम्दानी जनाई जिन्सी खाता अद्याबधिक गर्नुपर्दछ । यस सम्बन्धमा गत विगत वर्षको प्रतिवेदनमा समेत उल्लेख गरिएको सुधार भएको पाइएन । | |
| ९.२ | | | सार्वजनिक सम्पत्तिको रेखदेखः सरकारी तथा सार्वजनिक जग्गा संरक्षण उपयोग तथा हक हस्तान्तरण -स्थानीय सरकार सञ्चाल ऐन २०७४ को दफा ९७ मा गाउँपालिका तथा गाँउपालिकाले आफ्नो क्षेत्रभित्रको सरकारी सामुदायिक तथा सार्वजनिक सम्पत्तिको रेखदेख मर्मत सम्भार र संरक्षण गर्नुपर्ने व्यवस्था छ । पालिकाले आफ्नो क्षेत्रभित्रको सार्वजनिक सम्पत्तिको मर्मत सम्भार एवं संरक्षण गरेको र अभिलेख राखेको पाइएन । पालिकाले आफ्नो क्षेत्रभित्रको सम्पत्तिको रेखदेख मर्मत सम्भार एवं संरक्षण गर्नु गराउनु र अभिलेख राख्नु पर्दछ । | |
| १० | | | **अनुदान प्राप्ती, वितरण, उपयोग र फिर्ता** | |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| १०.१ | | | सेवाप्रवाहको स्थिति : स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा १०२ अनुसार स्थानीय तहले आफ्नो अधिकारक्षेत्र भित्रका विषयमा ऐन बनाउन तथा सोको अधिनमा रही आवश्यकता अनुसार नियम, निर्देशिका, कार्यविधि र मापदण्ड बनाई कार्यान्वियनमा ल्याउन सक्ने ब्यवस्था अनुसार १८ वटा ऐन, ५ वटा नियमावली र २० वटा कार्यबिधि ७ वटा निर्देशिका र अन्य १३ वटा स्वीकृत गरी कार्यान्वियनमा ल्याएको छ । यस वर्ष पालिकाबाट जन्म दर्ता २६३१ वटा, मृत्यु दर्ता ५२६ वटा, बसाइँसराइ २६६ वटा, विवाह दर्ता ९५९ वटा, सम्बन्ध विच्छेद दर्ता ७ वटा गरेको विवरण प्राप्त भएको छ ।स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन,२०७४ अनुसार पालिकाबाट प्रदान गरिने सेवाप्रवाहमध्ये पञ्जिकरण बाहेकका अन्य सेवा सञ्चालनमा सन्तोष जनक देखिएन । | |
| १०.२ | | | खर्च बिश्लेषणः पालिकाले यसबर्ष कुल आन्तिरक आयबाट रु. १९७०२६४१.९६ गत वर्षको मौज्दात रू.३४५१०९५९.५७ राजस्व बाँडफाँड रू.७४८०६९२, अनुदानबाट रु. ५३३१८७७५९.२८ र अन्तर सरकारी अख्तियारी तथा अन्य आयबाट रू. १९०८१३०२०.३ ।– समेत रू. ७७८२१४३८१.१३ आम्दानी भएकोमा चालु तर्फ रु.२९००३८११४.६२ र पूँजिगत तर्फ रु. २४६०८७६७४ र अन्य खर्च रु २४२०८८५९२.५ गरी जम्मा रु. ७७८२१४३८१.१३ खर्च भएको छ। खर्च मध्ये आन्तरिक आयको मात्र हिस्सा १.५ प्रतिशत रहेको छ । यस बर्ष पदाधिकारी सुबिधामा रू. ७७४०६०४.३९ खर्च भएको छ जुन आन्तरिक आयको ६३.३३ प्रतिशत रहेको छ । पालिकालाई प्राप्त भएको सबै अनुदान र राजस्व बाँडफाँडको रकमबाट ३७.२ प्रतिशत चालु र ३१.६२ प्रतिशतमात्र पूँजिगत निर्माणमा खर्च भएको देखिन्छ । यसबाट पालिकाहरूले विकास निर्माण कार्यक्रम संचालनमा न्युन खर्च गरी प्रशासनिक कार्यमा बढि खर्च गरेको देखिन्छ । प्रशासनिक खर्च नियन्त्रण गर्दै प्राप्त अनुदान र राजस्व बाँडफाँडको रकम अधिकरुपमा बिकास निर्माणमा परिचालन गरिनुपर्दछ । | |
| १०.३ | | | समपुरक अनुदान फिर्ताः- समपुरक अनुदान सम्बन्धी कार्यविधि, २०७५ को दफा ६ अनुसार आयोजना तथा कार्यक्रमको कुल लागतको अधिकतम पच्चास प्रतिशत रकम समपुरक अनुदान दिने व्यवस्था छ र सोही कार्यविधिको दफा १० मा प्रदेश तथा स्थानीय तहले समपुरक अनुदानबाट सञ्चालित आयोजना तथा कार्यक्रमहरु दफा ४ बमोजिमको प्रस्तावमा तोकिएको समयभित्र सम्पन्न गर्नुपर्दछ । सो अवधिभित्र आयोजना तथा कार्यक्रमहरु सम्पन्न हुन नसकेमा त्यस्तो आयोजना तथा कार्यक्रमहरु प्रदेश तथा स्थानीय तहले आफ्नै स्रोतबाट सम्पन्न गर्नुपर्ने व्यवस्था छ । प्रदेश सरकार हस्तान्तरित समपुरक अनुदान अन्तर्गत पालिकाललाई प्रदेश सरकारद्वारा रु. १ करोड ५० लाख अनुदान प्राप्त भएकोमा आ. व. २०७८।७९ मा गाउँपालिकाद्वारा कुल ३ वटा योजनामा रु. १७०६४६४५.१३ खर्च भएको छ । ।समपुरक अनुदान अन्तर्गत खर्चको ५० प्रतिशत पालिकाले बेहोर्नुपर्ने व्यवस्था छ ।पालिकाले कुल खर्चको ५० प्रतिशतले हुन आउने रु.८५३२३२२.५ खर्च व्यहोर्नुपर्ने र बाँकी ५० प्रतिशत प्रदेश सरकार हस्तान्तरित समपुरक अनुदानबाट खर्च गर्नुपर्नेमा पालिकाले समपुरक अनुदानबाट मात्र रु. १२८१२३५४ खर्च लेखेको छ ।यसरी पालिकाले समपुरक अनुदानबाट बढी खर्च गरेको कारण घटी फिर्ता भएको रु. ४२८००३२ प्रदेश सरकारलाई फिर्ता गर्नुपर्ने देखिएको छ । आ.व.२०७५।७६ को दफा २०.१ मा प्रदेशबाट सोधभर्ना लिन बाँकी रू. ८१३८६२७।- रहेको रकम मिलान हुन बाँकी रहेको कारण प्रदेश तर्फको रकम बढी खर्च भएको भन्ने पालिकाको भनाइ रहे पनि यस्तो हिसाब मिलानको लागि पहल गरेको पाइएन । हिसाव मिलानको प्रमाण पेश गर्नु पर्ने अन्यथा असुल गर्नु पर्ने रू. | ४,२८०,०३२ |



https://nams.oag.gov.np

<table>
<tr><th>क्रम</th><th>भौचर नम्बर</th><th>भौचर मिति</th><th>बिषय</th><th>बेरुजु रकम</th></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td>
<table>
<tr><td>क्र.सं.</td><td>योजनाको नाम</td><td>कुल खर्च रकम</td><td>पालिकाले व्यहोर्नुपर्ने</td><td>प्रदेश समपुरबाट खर्च</td><td>घटी फिर्ता</td></tr>
<tr><td>१</td><td>महादेव डालपुर नयाँबस्ती नौरङ्गिया जबबैराठ सडक कालोपत्रे स्तोरन्नति</td><td>५५२५०४३</td><td>२७६२५२२</td><td rowspan="4">१२८१२३५४</td><td rowspan="4">४२८००३२</td></tr>
<tr><td>२</td><td>महोदैया मैनारी सडक कालोपत्रे</td><td>५६५७८८८</td><td>२८२८९४४</td></tr>
<tr><td>३</td><td>गणेशपुर ढोडरी खुरुहुरिया प्रेमनगर कडक कालोपत्रे स्तोरन्नति</td><td>५३८३६७२</td><td>२६९१८३६</td></tr>
<tr><td>४</td><td>रिटेनेङ्ग वाल निर्माण कार्य सम्पन्न</td><td>४९८०४१</td><td>२४९०२०</td></tr>
<tr><td></td><td></td><td>१७०६४६४४</td><td>८५३२३३२२</td><td>१२८१२३५४</td><td>४२८००३२</td></tr>
</table>
</td><td></td></tr>
<tr><td>१०.४</td><td></td><td></td><td>संघीय सरकारबाट हस्तान्तरित समपुरकः- समपुरक अनुदान सम्बन्धी कार्यविधि, २०७५ को दफा ६ अनुसार आयोजना तथा कार्यक्रमको कुल लागतको अधिकतम पच्चास प्रतिशत रकम समपुरक अनुदान दिने व्यवस्था छ र सोही कार्यविधिको दफा १० मा प्रदेश तथा स्थानीय तहले समपुरक अनुदानबाट सञ्चालित आयोजना तथा कार्यक्रमहरु दफा ४ बमोजिमको प्रस्तावमा तोकिएको समयभित्र सम्पन्न गर्नुपर्दछ ।सो अवधिभित्र आयोजना तथा कार्यक्रमहरु सम्पन्न हुन नसकेमा त्यस्तो आयोजना तथा कार्यक्रमहरु प्रदेश तथा स्थानीय तहले आफ्नै स्रोतबाट सम्पन्न गर्नुपर्ने व्यवस्था छ । संघीय सरकार हस्तान्तरित समपुरक अनुदान अन्तर्गत पालिकाललाई संघ सरकारद्वारा रु. १ करोड ३९ लाख अनुदान प्राप्त भएकोमा आ. व. २०७८।७९ मा गाउँपालिकाद्वारा त्रिपालनगर जबबैराठ सडक कालोपत्रेको लागि जय माँ लोकमणि जे.भि. सँग रु.१८८१६८८० मा सम्झौता भई रु.१७९४१०९८ मा (प्रथम र दोश्रो रनिङ्ग बिलबाट) कार्य सम्पन्न भएको छ ।साथै सोहि सडकको अन्य को अन्य कार्यको लागि गंगा निर्माण सेवासँग रु.१५३१९०२ मा सम्झौता भई रु.१४५७१७० मा कार्य सम्पन्न भएको र के.एल. बिल्डर्स प्रा. लि. सँग कोटेशनमा कार्य सम्पन्न गरी रु.९८९५४३ रकम भुक्तानी दिएको छ ।यसरी पालिकाले उल्लेखित कार्य सम्पन्नको लागि कुल रु.२०३८७८११ भएको लेखेको छ ।समपुरक अनुदान अन्तर्गत कुल खर्चको ५० प्रतिशत पालिकाले बेहोर्नुपर्ने व्यवस्था छ ।नियमानुसार पालिकाले कुल खर्चको ५० प्रतिशतले हुन आउने रु.१०१९३९०५.५ गाउँपालिकाले खर्च व्यहोर्नुपर्ने र बाँकी ५० प्रतिशत संघीय सरकार हस्तान्तरित समपुरक अनुदानबाट खर्च गर्नुपर्नेमा पालिकाले समपुरक अनुदानबाट मात्र रु. १३९००००० खर्च लेखेको छ ।यसरी पालिकाले समपुरक अनुदानबाट बढी खर्च देखाएर घटी फिर्ता गरेको रकम संघीय सरकारलाई फिर्ता गर्नुपर्ने रु.</td><td>३,७०६,०९५</td></tr>
</table>

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| १०.५ | | | अनुदान फिर्ता– संघीय एवं प्रदेश सरकारको कानून एवं कार्यविधि बमोजिम ती निकायबाट स्थानीय तहमा प्राप्त हुने समपुरक वाहेकका अनुदान खर्च नभई बाँकी रहेको अवस्थामा सम्बन्धित निकायमा फिर्ता गर्नुपर्ने व्यवस्था रहेको छ । खर्च नभई बाँकी रहेकोरकम संघीयको सरकारको रु.१४७८५६७३ ।– र प्रदेश सरकारको रु ६०६४१०५ समेत जम्मा रु 20849778 फिर्ता गरेको छ । | |

| अनुदान प्रदान गर्ने निकाय | अनुदानको प्रकार | प्राप्त रकम | खर्च रकम | बाँकी रकम |
|---|---|---|---|---|
| संघीय सरकार | शसर्त | 228730000 | 214889510 | 13840490.2 |
| | विषेश | 20800000 | 19854817 | 945183 |
| | समपुरक | 13900000 | 13900000 | |
| प्रदेश सरकार | शसर्त | 8544000 | 6872226 | 1671774 |
| | विषेश | 8000000 | 5795315 | 2204685 |
| | समपुरक | 15000000 | 12812354 | 2187646 |
| | जम्मा | 294974000 | 274124222 | 20849778 |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| ११ | | | **कर तथा शुल्क असुली**<br>स्थानीय सरकार संचालन ऐन, २०७४ को दफा ५५, ५७, ५८ र ५९ मा एकीकृत सम्पत्ति कर र घरजग्गा कर, घरजग्गा वहाल कर, व्यवसाय कर र वहाल विरौटी शुल्क उठाउने व्यवस्था रहेको छ । ती आय शीर्षकमा आय अनुमान र असुली स्थिति निम्नानुसार रहेको देखिन्छ । | |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| | | | | |

| आय शिर्षक | वार्षिक अनुमानित आय | असुली | असुली प्रतिशत |
|---|---|---|---|
| ११३१३ - एकीकृत सम्पती कर | २६००००००. | १५३१०७४. | 58.89 |
| ११३१४ - भुमिकर/मालपोत | ४००००००. | ० | 0 |
| ११३२१ - घरवहाल कर | १००००००. | १२५७४०. | 125.74 |
| ११३२२ - वहाल विटौरी कर | ५०००००००. | ४८५४३१. | 9.71 |
| ११६९१ - अन्य कर | २००००. | ७५०. | 3.75 |
| १४१५१ - सरकारी सम्पत्तीको वहालबाट प्राप्त आय | ४००००००. | १२०९६५३. | 302.41 |
| १४२१३ - अन्य बिक्रीबाट प्राप्त रकम | ५०००. | ० | 0 |
| १४२२१ - न्यायिक दस्तूर | ३००००. | १९१०. | 6.37 |
| १४२२३ - शिक्षा क्षेत्रको आम्दानी | १५००००. | ५५२००. | 36.8 |
| १४२२४ - परीक्षा शुल्क | ३००००. | ८५००. | 28.33 |
| १४२२९ - अन्य प्रशासनिक सेवा शुल्क | ६४५०००. | ५१९७८०. | 80.59 |
| १४२४२ - नक्सापास दस्तुर | ५००००. | ३६०००. | 72 |
| १४२४३ - सिफारिश दस्तुर | १५०००००. | १०५०८३५. | 70.06 |
| १४२४४ - व्यक्तिगत घटना दर्ता दस्तुर | २५००००. | ५३७६००. | 215.04 |
| १४२४५ - नाता प्रमाणित दस्तुर | ५००००. | ६४७००. | 129.4 |
| १४२४९ - अन्य दस्तुर | २०००००. | ८३१९७.८ | 41.6 |
| १४२५३ - व्यावसाय रजिष्ट्रेशन दस्तुर | २५००००. | १३३२००. | 53.28 |
| १४२६५ - अन्य क्षेत्रको आय | २००००. | १७४४१४. | 872.07 |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | | | | | | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | १४३१२ - प्रशासनिक दण्ड , जरिवाना र जफत | ५००००. | ८००००. | 160 | | |
| | | | | १४३१३ - धरौटी सदरस्याहा | ५००००. | ० | 0 | | |
| | | | | १४५२९ - अन्य राजस्व | ८०००००. | ३४७६५४५.४१ | 434.57 | | |
| | | | | १५१११ - बेरूजू | ५०००००. | २६४७४१९.७५ | 529.48 | | |
| | | | | ३२१२२ - बैंक मौज्दात | ३०८३८०००. | ३४५१०९५९.५७ | 111.91 | | |
| | | | | | ४३९३८०००. | ४६७३२९०९.५३ | 106.36 | | |
| | | | पालिका भित्र रहेका करदाताहरूको अभिलेख व्यवस्थित नरहेको एवं बुझाउन ल्याएको अवस्थामा मात्र कर एवं शुल्क बुझ्ने परिपाटी रहेकोले उल्लिखित असुली यथार्थ मान्न सक्ने अवस्था देखिएन ।तसर्थ आफ्नो क्षेत्रभित्र करदाताको अभिलेख अद्यावधिक गरी करको दायारामा ल्याउनु पर्दछ । | | | | | | |
| १२ | | | **शिक्षा** | | | | | | |
| १२.१ | | | विद्यालयको सामाजिक तथा आर्थिक लेखापरीक्षण प्रतिवेदनः कार्यक्रम कार्यान्वयन पुस्तिका २०७८।७९ को क्रियाकलाप नं २.७.१३.१० मा विद्यालय सञ्चालन तथा व्यवस्थापन अनुदान अन्तर्गत विद्यालयहरुको आर्थिक लेखापरीक्षण गराउनको लागि आधारभुत तह सञ्चालित विद्यालयहरुलाई रु १०००० र माध्यमिक तह सञ्चालित विद्यालयहरुलाई रु १५००० अनुदान दिने व्यवस्था छ । गाउँपालिका अन्तर्गत सञ्चालित ४५ वटा सामुदायिक विद्यालयहरुलाई लेखापरीक्षण बापतको अनुदान रकम भुक्तानी दिए पनि पालिकाका कुनै पनि विद्यालयले अन्तिम लेखापरीक्षणको दिनसम्म पनि सामाजिक र आर्थिक लेखापरीक्षण गराएको पाइएन ।विद्यालयको आय व्ययको आन्तरिक लेखापरीक्षण समयमै गराई नगर कार्यपालिकाको कार्यालयमा प्रतिवेदन पेश गर्नुपर्दछ । | | | | | | |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| १२.२ | | | भुवनेश्वरी माध्यमिक विद्यालयको अनुदानः- आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व नियमावली, २०७७ को नियम ३९ को उपनियम १० मा सरकारी रकम खर्च गर्दा जिम्मेवार व्यक्तिले सरकारी रकमको खर्च लेख्नु अघि त्यस्तो रकम खर्च गर्न वा भुक्तानी दिन आवश्यक वील, भर्पाई र कागजात संलग्न भए वा नभएको तथा सम्लग्न कागजात अनुसार भुक्तानी दिन रीत पुगे वा नपुगेको जाँच गर्नु पर्दछ।गाउँपालिकाले भुवनेश्वरी मा.वि. लाई भौ.नं. १००-०७८।१०।१४ बाट रु.२५०३५६ छात्रवृती अनुदान, भौ.नं. ३२७-०७९।३।२७ बाट रु. ११०५१० र भौ.नं. २०९-०७९।१।२३ बाट रु. ५३६४०९ गरी जम्मा रु.६४६९१९ पाठ्यपुस्तक अनुदान तथा भौ.नं. ९७-०७८।१०।१३ बाट रु.६७४१७५ र भौ.नं. ३३६-०७९।३।२३ बाट रु.२९४६३० गरी जम्मा रु.९६८८०५ दिवा खाजा अनुदान गरी समग्रमा कुल रु.१८६६०८० अनुदान दिएकोमा भुवनेश्वरी मा वि द्धारा उल्लेखित कुनै पनि अनुदानको खर्च प्रमाण पेश भएको पाइएन ।लेखापरीक्षणको क्रममा पनि गाउँपालिकाद्धारा पटक पटक फोन गरी खर्च सम्बन्धि प्रमाण ल्याउन भन्दा पनि विद्यालयद्धारा आलटाल गरेको देखियो ।विद्यालयद्धारा दर्शाइएको उक्त व्यवहारले सरकारी अनुदानको नियमानुसारको खर्चमा शंका उत्पन्न भएकोले विद्यालयद्धारा शिर्षकगत प्राप्त अनुदानको नियमानुसार खर्चको प्रमाण पेश गर्नुपर्ने अन्यथा असुल गर्नुपर्ने रु. | १,८६६,०८० |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| १२.३ | | | दिवा खाजाः कार्यक्रम कार्यान्वयन पुस्तिका २०७८।७९ को क्रियाकलाप नं. २.७.११.१ को बुँदा नं. ७.१ मा दिवा खाजा अनुदान रकम निकासा विद्यालयको सक्कल विद्यार्थी दैनिक हाजिरी पुस्तिकाको प्रतिलिपि विद्यालयका प्र.अ. र विव्यस बाट प्रमाणित गराई स्थानिय तहमा संकलन गरी वास्तविक संख्या यकिन भए पश्चात मात्र रकम निकासा गर्नुपर्ने व्यवस्था छ ।पालिकाले भौ.नं.९७-०७८।१०।१३ बाट रु.१६६१५२०० र भौ. नं. ३३८-०७९।३।२३ बाट रु.६८८६४५५ गरी ४५ वटा विद्यालयको दिवा खाजाका लागि कुल रु. २३५०१६५५ निकासा दिएकोमा देहायका व्यहोरा देखियोः-<br><br>(क) विद्यालय दिवा खाजा व्यवस्थापन सहयोगी पुस्तिका २०७७ को दफा ९ र कार्यक्रम कार्यान्वयन पुस्तिकाको अनुसुचि ४ को दिवा खाजा सम्बन्धि मापदण्ड र व्यवस्थापन अनुसार विद्यालयमा खुवाइने दिवा खाजा पुस्तकमा उल्लेख भएनुसार तोकिएको क्यालोरी पुरा गरी खाजा खुवाउनुपर्ने व्यवस्था छ ।उक्त म्यानुअल विपरित विद्यालयहरुले खाजा नखुवाई अभिभावकलाई भरपाईको आधारमा नगद नै वितरण गरेको पाइयो ।यसरी नेपाल सरकारले दिवा खाजाको माध्यमबाट विद्यालयमा विद्यार्थी उपस्थिति संख्या बढाउने लिएको लक्ष्य पुरा नहुने देखिन्छ । गाउँपालिकाले खाजा खुवाउने विद्यालयलाई मात्र दिवा खाजा रकम निकासा दिनुपर्दछ।दिवा खाजाको माध्यमले विद्यालयमा विद्यार्थीको उपस्थितिलाई समेत निरन्तरता दिन पनि कार्यान्वयन पुस्तिका र दिवा खाजा व्यवस्थान पुस्तिकाको पालना हुनुपर्दछ ।<br><br>(ख) आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व नियमावली, २०७७ को नियम ३९ को उपनियम १० मा सरकारी रकम खर्च गर्दा जिम्मेवार व्यक्तिले सरकारी रकमको खर्च लेख्नु अघि त्यस्तो रकम खर्च गर्न वा भुक्तानी दिन आवश्यक वील, भर्पाई र कागजात संलग्न भए वा नभएको तथा सम्लग्न कागजात अनुसार भुक्तानी दिन रीत पुगे वा नपुगेको जाँच गर्नु पर्दछ। विद्यालय दिवा खाजा व्यवस्थापन सहयोगी पुस्तिका २०७७ को दफा ५(क),(ख) र कार्याक्रम कार्यान्वयन पुस्तिकाको निर्देशानुसार विद्यालय व्यवस्थापन समिति र प्रधानध्यापकबाट प्रमाणित गराउनुका साथै विद्यालयहरुद्वारा पेश भएको विद्यार्थी दैनिक हाजिरीको सक्कल विद्यार्थी दैनिक हाजिरी पुस्तिकाको प्रतिलिपि प्रमाणित गराएर पेश हुनुपर्नेमा सो नभएकोले पालिकाले यसको लागि विद्यालयहरुको दैनिक हाजिरी पुस्तिकाको सहि जाँच गरी खर्च भन्दा बढी निकासा भएको भए सम्बन्धित विद्यालयबाट असुल गर्नुका साथै यसतो अनुदान निकासा दिदा वास्तविक खर्चको जाँच गर्नुपर्दछ । | |

<table>
<tr><th>क्रम</th><th>भौचर नम्बर</th><th>भौचर मिति</th><th>बिषय</th><th>बेरुजु रकम</th></tr>
<tr><td>१३</td><td></td><td></td><td>जिन्सी निरीक्षण<br>आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व नियमाली, २०७७ को नियम ९९ बमोजिम कार्यालयले तयार पारेको जिन्सी निरीक्षण प्रतिवेदन अनुसार लिलाम बिक्री गर्नुपर्ने मालसामान प्रतिवेदन प्राप्त भएको १ महिना भित्र लिलाम बिक्रीको प्रकृया थालनी गर्ने र मर्मत सम्भार गर्नुपर्ने भए ३ महिना भित्र गरिसक्नुपर्ने व्यवस्था छ । निम्न मालसामानहरु जिन्सी निरीक्षण प्रतिवेदनमा मर्मत गर्नु पर्ने र लिलाम गर्नु पर्ने भनी उल्लेख भएकोमा कार्यालयले प्रक्रिया पुरा गरी लिलाम गर्ने र मर्मतको लागि बजेटले भ्याएसम्म मर्मत गर्नु पर्नेमा उक्त प्रकृया थालनी गरेको पाइएन । लिलाम तथा मर्मत गरी जिन्सी मालसामानको व्यबस्थापन गर्ने तर्फ कार्यालयको ध्यान जानुपर्दछ ।
<table>
<tr><th>मर्मत गर्नुपर्ने</th><th>संख्या</th><th>लिलाम गर्नुपर्ने</th><th>संख्या</th></tr>
<tr><td>टेलिभिजन</td><td>६</td><td>प्रिन्टर</td><td>४</td></tr>
<tr><td>सिसिटिभि क्यामेरा</td><td>७</td><td>टेवल</td><td>८</td></tr>
<tr><td>सिसिटिभि रेकर्डर</td><td>२</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>पानी फिल्टर</td><td>२४</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>डेक्सटप कम्प्युटर</td><td>११</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>ल्यापटप</td><td>६</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>प्रिन्टर</td><td>१४</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>कुर्सी</td><td>४७</td><td></td><td></td></tr>
</table>
</td><td></td></tr>
<tr><td>१४</td><td></td><td></td><td>धार्मिक विद्यालयलाई दोहोरो अनुदान<br>कार्यक्रम कार्यान्वयन पुस्तिका २०७८।७९ को क्रियाकलाप नं २.७.१३.११ को बुँदा नं ६.२ मा परम्पारगत विद्यालयलाई अनुदान शिर्षक अन्तर्गत स्थानिय तहले परम्परागत शिक्षा दिने गुरुकुल,आश्रम,गुम्बा,बिहार,मदरसा जस्ता सामुदायिक विद्यालयका रूपमा अनुमती लिई सञ्चालनमा रहेका यकिन गरी राहत शिक्षक अनुदान/ स्विकृत दरबन्दि प्राप्त नगरेको खण्डमा त्यास्ता परम्परागत विद्यालयहरूलाई वार्षिक एकमुष्ट रु. २ लाख ४१ हजार अनुदान दिने व्यवस्था छ र यस्ता अनुदान लिने विद्यालयहरुलाई तलब भता मार्फत अरु कुनै अनुदान दिइने छैन ।पालिकाले देहायका परम्परागत विद्यालयहरुलाई उल्लेखित एकमुष्ट अनुदान निकासा दिए तापनि प्रत्येक विद्यालयलाई एक जना कर्मचारीको लागि मासिक रु.१५००० का दरले चाडपर्व समेत गरी १३ महिनाको रकम निकासा दिएको असुल गर्नुपर्ने रु.</td><td>२,५३५,०००</td></tr>
</table>

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| | | | | |
| १५ | | | **राजस्व आन्तरिक नियन्त्रण** | |

| क्र.सं. | विद्यालयको नाम | रकम |
|---|---|---|
| १ | मदरसा अहिले सुन्नत गरिब नवाज नौमिया<br>(२ जना कर्मचारी) | ३९०००० |
| २ | मदरसा अहिले सुन्नत फैजाने मुस्तफा | १९५००० |
| ३ | मदरसा अहिले सुन्नत फैजे गौसिया | १९५००० |
| ४ | मदरसा अहिले सुन्नत गौसिया प्रा वि | १९५००० |
| ५ | मदरसा अहिले सुन्नत नैमिया रफिकुल उलुम | १९५००० |
| ६ | मदरसा हनफिया रजविया | १९५००० |
| ७ | मिसवाहुल उलुम | १९५००० |
| ८ | मदरसा अहिले सुन्नत गुल्सनेररजा | १९५००० |
| ९ | मदरसा अहिले सुन्नत कदिरिया फैजुल उलुम | १९५००० |
| १० | मदरसा अहिले सुन्नत फैजाने नाइमिया | १९५००० |
| ११ | मदरसा अहिले सुन्नत नुरी | १९५००० |
| १२ | मदरसा अहिले सुन्नत फैजुल उलुम प्रा वि | १९५००० |
| | जम्मा रकम | २५३५००० |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| १५.१ | | | असुल गर्न बाँकी आन्तरिक आय -: स्थानीय सरकार संचालन ऐन ,२०७४ को परिच्छेद ९ वित्तीय अधिकार क्षेत्र अन्तर्गत विभिन्न कर तथा शुल्क लगाउने र आय ठेक्का बापत बक्यौता रकम समेत असुली गर्ने व्यवस्था छ ।यस स्थानीय तहले विगत र यो वर्ष बन्दोवस्त गरेको आन्तरिक आय ठेक्कामा देहाय अनुसार व्यवसायीबाट गत विगत वर्षको आय असुल गर्न बाँकी रहेकोले सो सम्बन्धमा कुनै असुल नभएको पालिकाबाट जानकारी प्राप्त भइ आएकोले उक्त आय राजस्व असुलीमा पालिकाले यसमा ध्यान दिन जरुरी देखिन्छ । | |
| १५.२ | | | आयको अनुमानः स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ६६ बमोजिम स्रोत अनुमान तथा बजेट सीमा निर्धारण समितिले पालिकामा प्राप्त हुने आन्तरिक आयसमेतको ब्यवस्थापन गर्न सक्ने ब्यवस्था छ । पालिकाले पेश गरेको आयव्ययको अनुमानमा आन्तरिक आयतर्फ मालपोत, कर, सेवा शुल्क, दस्तुर वापत अनुमानित रु.५ करोड ७ लाख ४३ हजार प्राप्त हुने प्रक्षेपण गरेकोमा आर्थिक वर्ष २०७८।७९ मा रु. ५५ लाख ३८ हजार अर्थात अनुमान भन्दा थोरै कम आय प्राप्त गरेको छ ।<br><br>आन्तरिक आयः स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ६६ बमोजिम स्रोत अनुमान तथा वजेट सीमा निर्धारण समितिले पालिकामा प्राप्त हुने आन्तरिक आय समेतको व्यवस्थापन गर्न सक्ने व्यवस्था छ । पालिकाले आर्थिक वर्ष २०७८।७९ मा केन्द्रीय अनुदानबाट गरेको खर्चका तुलनामा आन्तरिक आयको स्थिति देहाय बमोजिम छ ।<br><br>केन्द्रिय अनुदानबाट खर्च \| आन्तरिक आय \| आन्तरिक आय प्रतिशत<br>487616875.5 \| 19702641.96 \| ४.०४<br><br>उपरोक्त विवरण अनुसार स्थानीय तहमा प्राप्त केन्द्रीय अनुदानबाट भएको खर्चको तुलनामा आन्तरिक आयको हिस्सा ४.०४ प्रतिशत मात्र रहेको छ । त्यसैले पालिकाको आन्तरिक आय संकलनको दायरालाई फराकिलो पर्दै आन्तरिक आय बृद्धि गर्नेतर्फ ध्यान दिनुपर्ने देखिन्छ । | |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| १५.३ | | | वडा कार्यालयहरुको राजस्व : आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तिय उत्तरदायित्व ऐन २०७६ को दफा २८(२) अनुसार आफ्नो जिम्मामा आएको सरकारी नगदी सोही दिन वा त्यसको भोलिपल्ट यथास्थानमा दाखिला नगरेको देखिन आएमा सम्बन्धित तालुक कार्यालय वा विभागीय प्रमुखले दश दिनसम्म ढिलो गरेको भए दाखिला गर्न बाँकी रकम र सो रकमको दश प्रतिशतले जरिवाना गरी सो समेत दाखिला गर्न लागउने र सो भन्दा ढिलो गरेको भए दश प्रतिशतका दरले जरिवाना गरी दाखिला गर्न लागाई कसुरको मात्रा अनुसार प्रचलित कानुन बमोजिम विभागीय कारबाही समेत गर्ने गराउने उल्लेख छ।असुल गर्नु पर्ने जरिवाना रकम रु. | २५,४९८ |

| जिम्मेवार व्यक्ति | महिना | वडा न. | जम्मा उठेको राजस्व | दाखिला रकम | दाखिला मिति | १०% जरिवाना |
|---|---|---|---|---|---|---|
| बाल बहादुर थापा | मंसिर | १ | १४७२६ | १४७२६ | २०७८।१०।११ | १४७२ |
| | पौष | | १४८१० | १४८१० | २०७८।११।१८ | १४८१ |
| | माघ | | १२२८० | १२२८० | २०७८।११।२९ | १२२८ |
| बाल बहादुर थापा | मंसिर | २ | ३१८७४ | ३१८७४ | २०७८।१०।११ | ३१८७ |
| | पौष | | ४११७४ | ४११७४ | २०७८।११।१८ | ४११७ |
| | माघ | | २५७५३ | २५७५३ | २०७८।११।१९ | २५७५ |
| प्रदिप अधिकारी/ बाल बहादुर थापा | साउन | ६ | ११४३८७ | ११४३८७ | २०७८।५।२१ | ११४३८ |
| जम्मा | | | | | | २५४९८ |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| १५.४ | | | सवारी कर : स्थानीय सरकार संचालन ऐन, २०७४ को दफा ६४ मा पालिकाले आफ्नो क्षेत्र भित्रका सवारीमा तोकिए बमोजिम सवारी दर्ता तथा वार्षिक सवारी कर र आफ्नो क्षेत्रमा आउने सबै प्रकारको सवारीमा तोकिए बमोजिम सवारी कर उठाउने लक्ष्य राखेको छैन। हरेक वर्ष दर्ता हुने सवारीको अभिलेख राखी कर असूलीलाई प्रभाबकारी बनाउने तर्फ कार्यालयको ध्यान जानु पर्दछ । | |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| १६ | | | **सवारीसाधन खरिद**<br>अर्थ मन्त्रालयको स्थानीय तहमा बजेट तर्जुमा कार्यान्वयन आर्थिक व्यवस्थापन तथा सम्पत्ति हस्तान्तरण सम्बन्धी निर्देशिका, २०७४ को निर्देशन नं. ५.१५ अनुसार नेपाल सरकारबाट उपलब्ध गराइएको बजेट तथा स्रोत साधनबाट कार्यालयको नियमित प्रयोजनको लागि सवारी साधन खरिद गर्न नपाईने व्यवस्था छ । लेखापरीक्षणको क्रममा प्राप्त विवरण अनुसार पालिकाले १ थान स्कर्पियो गाडी रू. ४९६००००।÷ खरिद गरेको छ । सवारी साधन तथा भारी उपकरण सञ्चालन सम्बन्धी दीर्घकालीन नीति तर्जुमा गरी सवारी साधन उपयोग गर्नु पर्दछ । | |
| १७ | | | **आर्थिक सहायता र अन्य विविध खर्च** | |
| १७.१ | | | आर्थिक सहायता – स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ मा स्थानीय तहको रकमबाट आर्थिक सहायता, चन्दा, पुरस्कार एवं संस्थागत अनुदान वितरण गर्न पाउने व्यवस्था रहेको देखिंदैन । तर पालिकाले यस वर्ष ११६ जनालाई रु.१५४४८९९।– आर्थिक सहायता र ९ वटा संस्थालाइ रु २८०००० अनुदान वितरण गरेको छ। यस्तो खर्चमा नियन्त्रण गर्नु पर्दछ । | |
| १७.२ | | | विविध खर्च – स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ७१ बमोजिम व्ययको बजेट अनुमान आन्तरिक आयको परिधिभित्र रही औचित्यताको आधारमा विविध खर्च गर्नुपर्ने व्यवस्था छ । तर पालिकाले यस वर्ष खाना तथा विविधतर्फ मात्र रु. २३४६६१९।– खर्च गरेको छ । | |
| १८ | | | **संगठन तथा कर्मचारी व्यवस्थापन** | |
| १८.१ | | | वडा सचिवको पदपूर्ति: पालिका अन्तर्गतका वडा कार्यालयबाट संचालित सेवा प्रवाहमा महत्वपूर्ण भूमिका रहेका वडा सचिवको दरबन्दी र पदपूर्तिको अवस्था देहाय बमोजिम छ । रिक्त पदहरूको पदपूर्ति गर्नुपर्दछ । | |

| वडा संख्या | वड सचिवको दरबन्दी | वडा सचिवको पदपूर्ति | रिक्त वडा सचिव |
|---|---|---|---|
| ७ | ७ | ४ | ३ |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| १८.२ | | | कर्मचारी करार – स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ८३ मा स्थानीय तहले आफ्नो अधिकार क्षेत्र र कार्यबोझको विश्लेषण गरी संगठन तथा व्यवस्थापन सर्भेक्षणको आधारमा स्थायी प्रकृतिको कामको र सेवा करारबाट लिईने कर्मचारीको दरबन्दी प्रस्ताव गर्नुपर्ने र अस्थायी दरबन्दी सृजना गर्न नसकिने व्यवस्था छ । तर पालिकाले विभिन्न पदमा ५० जना कर्मचारीहरु करारमा राखि रु. १४४६३२५० खर्च लेखेको छ ।<br><br>त्यसैगरी सोही ऐनको २०७४ को दफा ८३(८) वमोजिम पालिकाले नगर प्रहरी, सवारी चालक, सयश, कार्यालय सहयोगी, पलम्बर, इलेक्टीसियन, चौकिदार, मालि, बगैँचे लगायतका पदमा मात्र करारवाट सेवा लिन सकिने व्यवस्था गरेको छ । स्थानीय तहले माथि उल्लेखित पद वाहेकको विभिन्न १६ पदमा १६ जना करार नियुक्ति गरी बर्षभरीमा रु.४१६००००।०० भुक्तानी गरेको अनियमित देखिएको रु. | ४,१६०,००० |
| १८.३ | | | (क) शिक्षक दरवन्दी र पदपूर्ति - स्थानीय तह अन्तर्गत रहेका सामुदायिक विद्यालयहरुमा दरबन्दी अनुसार शिक्षकको पदपूर्ति भई नियमित पठनपाठनको व्यवस्था हुनुपर्दछ । यस स्थानीय तह अन्तर्गत विभिन्न तहका ३६ सामुदायिक विद्यालयहरुको शिक्षक दरवन्दी र पदपूर्तिको अवस्था एवं विद्यार्थीको संख्या निम्नानुसार रहेको देखिन्छ । | |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|

| सि. नं. | विधालयको नाम | शिक्षक दरबन्दी | | | | | | | | | | जम्मा शिक्षक संख्या | पदपूर्ति | पदपूर्ति मध्ये करार | विधार्थी संख्या |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | कर्मचारी | | | प्रा.वि. | | | नि.मा.वि. | | मा.वि. | | | | | |
| | | सहयोगी कार्यकर्ता | कार्यालय सहायक कर्मचारी | कार्यालय सहयोगी | स्थायी | अस्थायी | राहत | स्थायी | राहत | स्थायी | राहत | | | | |
| 1 | श्री दुधाधारी मा.वि , विजयनगर 1 गुगौली | 1 | 1 | 1 | 4 | 1 | 1 | 3 | | | 2 | 11 | 11 | 4 | 1835 |
| 2 | श्री भुवनेश्वरी मा.वि , विजयनगर 3 जगदीशपुर | 1 | 1 | 1 | 4 | 4 | | 4 | | 4 | | 16 | 16 | 4 | 1311 |
| 3 | श्री लौटन राम द्रोपदी देवी मा.वि , विजयनगर 7 गणेशपुर | 1 | 1 | 1 | 4 | 1 | | | 1 | 1 | | 7 | 7 | 2 | 892 |
| 4 | श्री जन जागृति मा.वि , विजयनगर 2 लोहरौला | 2 | 1 | 1 | 3 | 2 | | | | | | 5 | 5 | 2 | 747 |
| 5 | श्री नेपाल तारा मा.वि , विजयनगर 2 महुवाबारी | 1 | 1 | 1 | 4 | | | | | | | 4 | 3 | 0 | 562 |
| 6 | श्री शिव मा.वि , विजयनगर 5 डालपुर | 1 | 1 | 1 | 2 | 1 | 1 | | | | | 4 | 4 | 2 | 735 |
| 7 | श्री आधारभूत विद्यालय , विजयनगर १ थरौली | 1 | 1 | 1 | | 3 | | | | | | 3 | 3 | 3 | 412 |
| 8 | श्री जनज्योति आधारभूत विद्यालय , विजयनगर 4 शंकरपुर | 1 | | 1 | 2 | 3 | | | | | | 5 | 5 | 3 | 473 |
| 9 | श्री त्रिनेत्र आधारभूत विद्यालय , विजयनगर 7 मधुनगर | 3 | | 1 | | | 2 | | | | | 2 | 2 | 2 | 774 |
| 10 | श्री जनज्योति आधारभूत विद्यालय , विजयनगर 7 मानपुर | 1 | | 1 | 2 | 1 | 3 | | | | | 6 | 6 | 4 | 417 |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | | | | | | | | | | | | | | | | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | 11 | श्री रामशरण आधारभूत विद्यालय , विजयनगर 6 जुडपनिया | 2 | | 1 | 2 | 1 | | | | | | 3 | 3 | 1 | 452 | |
| | | | 12 | श्री आधारभूत विद्यालय , विजयनगर 1 नेवलागंज | | | 1 | 1 | 3 | 2 | | | | | 6 | 6 | 5 | 388 | |
| | | | 13 | श्री हरिबोध आधारभूत विद्यालय , विजयनगर ६ प्रेमनगर | 2 | | 1 | | | 1 | | | | | 1 | 1 | 1 | 530 | |
| | | | 14 | श्री कामना प्रा.वि , विजयनगर 1 जववैराठ | | | 1 | | 1 | | | | | | 1 | 1 | 1 | 291 | |
| | | | 15 | श्री जनता प्रा.वि , विजयनगर 3 पत्थरदेइया | 1 | | 1 | 3 | | | | | | | 3 | 3 | 0 | 262 | |
| | | | 16 | श्री पंचजन प्रा.वि , विजयनगर 3 महदेइया | 2 | | 1 | 3 | | | | | | | 3 | 3 | 0 | 431 | |
| | | | 17 | श्री प्राथमिक विद्यालय , विजयनगर 5 बघमरवा | 2 | | 1 | 4 | | | | | | | 4 | 2 | 0 | 165 | |
| | | | 18 | श्री जन जागृति प्रा.वि , विजयनगर 6 बदौर | 1 | | 1 | 1 | 1 | 2 | | | | | 4 | 4 | 3 | 366 | |
| | | | 19 | श्री प्राथमिक विद्यालय , विजयनगर 3 मयनारी | 1 | | 1 | 3 | | | | | | | 3 | 2 | 0 | 250 | |
| | | | 20 | श्री सचेतना प्रा.वि , विजयनगर 4 इमिलीखर्क | | | 1 | | | 1 | | | | | 1 | 1 | 1 | 94 | |
| | | | 21 | श्री अर्रा प्रा.वि , विजगनयर 1 वीरनगर | 1 | | 1 | | | | | | | | 0 | | 0 | 179 | |
| | | | 22 | श्री शान्ती दीप प्रा.वि , विजयनगर 2 जर्लैया | | | 1 | | | | | | | | 0 | | 0 | 183 | |
| | | | 23 | श्री महाकाली प्रा.वि , विजयनगर 4 बेतनी | 1 | | 1 | | | | | | | | 0 | | 0 | 72 | |
| | | | 24 | श्री रामनारायण मो.इ. प्रा.वि , विजयनगर ४ बरगदी | 1 | | 1 | | | | | | | | 0 | | 0 | 103 | |
| | | | 25 | श्री ज्योति बाल शिक्षा प्राथमिक विद्यालय , विजयनगर ४ ज्योतिनगर | 1 | | 1 | | | | | | | | 0 | | 0 | 134 | |
| | | | 26 | श्री मदरसा अहिले सून्नत गरीब नवाज नैमिया , विजयनगर 2 महुवादुधार | 1 | | 1 | | | | | | | | 0 | | 0 | 215 | |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 27 | श्री मदरसा अहिले सून्नत फैजाने मुस्तफा , विजयनगर ५ जोगिनिया | | | 1 | | | | | | | | 0 | | 0 | 177 |
| 28 | श्री अहिले सून्नत फैजे गौसिया , पिपरी | | | 1 | | | | | | | | 0 | | 0 | 210 |
| 29 | श्री मदरसा अहिले सुन्नत गौसिया प्रा.वि , दत्तपुर | | | 1 | | | | | | | | 0 | | 0 | 208 |
| 30 | श्री मदरसा अहले सून्नत नैमिया रफिकुल उलूम , पत्थरदेइया | | | 1 | | | | | | | | 0 | | 0 | 225 |
| 31 | श्री मदरसा हनफिया रजविया , पत्थरदेइया | | | 1 | | | | | | | | 0 | | 0 | 161 |
| 32 | श्री मिस्वहुल उलूम , कडियार | | | 1 | | | | | | | | 0 | | 0 | 153 |
| 33 | श्री मदरसा अहले सून्नत गुल्सनेररजा , महदेइया | | | 1 | | | | | | | | 0 | | 0 | 135 |
| 34 | श्री मदरसा अहले सून्नत कदिरिया फैजुल उलूम , बरगदवा | | | 1 | | | | | | | | 0 | | 0 | 142 |
| 35 | श्री मदरसा अहले सुन्नत फैजाने नइमिया , जलहिया | | | 1 | | | | | | | | 0 | | 0 | 172 |
| 36 | श्री मदरसा अहले सून्नत नुरी विजनयगर १ गुगौली | | | 1 | | | | | | | | 0 | | 0 | 120 |
| जम्मा | | 29 | 7 | 36 | 42 | 22 | 13 | 7 | 1 | 5 | 2 | 92 | 88 | 38 | 13976 |

दरबन्दी बमोजिम शिक्षक पदपूर्ति गर्नुपर्दछ ।

(ख) विद्यालयगत निकासा रजिष्ट्रर – अधिकार प्राप्त अधिकारीले आम्दानी खर्च ठीक र विश्वसनीय रहेको तथा दोहोरो हुने गरी भुक्तानी भएको छैन भन्ने कुरामा सुनुश्चित हुनुपर्दछ । पालिकाले तोकिएको ढाँचामा विभिन्न विद्यालयलाई निकासा दिएको रकमको स्पष्ट विवरण खुलाई दोहोरो भुक्तानी नहुने गरी अभिलेख राख्ने नगरेकोले दोहोरो भुक्तानी हुन सक्ने अवस्थाको नियन्त्रण गर्न भरपर्दो आन्तरिक नियन्त्रण प्रणाली अवलम्बन गरेको पाइएन । तोकिएको ढाँचामा विद्यालयगत निकासा रजिष्ट्रर राख्नु पर्दछ ।

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| १८.४ | | | स्थानीय तहका पदाधिकारी सुविधा : नेपालको संविधानको धारा २२७ मा गाँउ सभा तथा नगरसभाका सदस्यले पाउने सुविधाका सम्बन्धमा प्रदेश कानूनबमोजिम हुने ब्यवस्था अनुसार सुदुरपश्चिम प्रदेश संसदले स्थानीय तहका पदाधिकारी तथा सदस्यहरुको सुविधा सम्बन्धी ऐन, २०७५ जारी गरेको छ । उक्त ऐनमा भएको ब्यवस्था अनुसार पालिकाबाट देहाय बमोजिम रु ७७४०६०४.३९ सुविधा वापत भुक्तानी भएको छ । | |
| १८.५ | | | **कल्याण कोषः** स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ९१ वमोजिम स्थानीय तहले स्थानीय सेवाका कर्मचारीले निजको सेवाशर्त तथा कानून वमोजिम अवकास हुँदा प्राप्त गर्ने योगदानमा आधारित उपादान, औषधिउपचार लगायतका सुविधा उपलव्ध गराउन अवकास कोषको स्थापना गर्ने व्यवस्था छ । उक्त कोषमा आफ्नो दरवन्दीमा कार्यरत प्रत्येक कर्मचारीले खाइपाई आएको मासिक तलवबाट १० प्रतिशत रकम कट्टा गरी सोको वरावरले हुने रकम थप गरी जम्मा गर्नुपर्ने व्यवस्था छ । गाउँपालिकामा कार्यरत स्थानीय तहका कर्मचारीको तलवबाट रकम कट्टा गरी कल्याण कोषमा जम्मा गर्ने गरेको छैन । साथै कोषको संचालन सम्बन्धी पालिकाबाट कुनै ऐन कानूनको व्यवस्था भएको देखिएन । यसमा सुधार हुनु पर्दछ । | |
| १९ | | | **पेश्की व्यवस्थापन**<br>पेश्की बाँकीः आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तिय उत्तरदायित्व नियमावली, २०७७ को नियम ४७ (१) अनुसार पेश्की फछ्र्यौट हुनुपर्दछ। निर्माण व्यवसायीला ाइ भुक्तानी भएको मोविलाइजेशन पेश्की रू. ३४०३३९०।÷ सम्झौता अनुसार फछ्र्यौट हुनु पर्दछ साथै कार्यालयबाट देहाय अनुसार म्याद समाप्त भएको व्यक्तिगत पेश्की वाँकी रू. २२३५००० ।÷ लेखापरीक्षणको अवाधि सम्म फछ्यौट नियमानुसार फछ्यौट हुनु पर्ने रू. | २,२३५,००० |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| | | | (see table below) | |
| २० | | | **उपभोक्ता समिति मार्फत निर्माण कार्य** | |

| भौ.नं. | मिति | कार्यक्रम | पेश्की लिनेको नाम | पेश्की रकम |
|---|---|---|---|---|
| २१ | २०७८।०९।०८ | अन्य सार्वजनिक निर्माण | कृष्ण कुमार चौधरी | ९,८५,०००।०० |
| २५६ | २०७८।०९।०८ | मसलन्द तथा कार्यालय सामाग्री | कृष्ण कुमार चौधरी | ३,००,०००।०० |
| २१ | २०७८।०९।०८ | अन्य सार्वजनिक निर्माण | विजय प्रकाश त्रिपाठी | ५०,०००।०० |
| २५६ | २०७८।०९।०८ | भ्रमण खर्च | कृष्ण प्रसाद शर्मा | ९,००,०००।०० |
| १७ | २०७८।०८।१२ | वडा कार्यालय भवन निर्माण<br>वडा नं ४ आ.व. ०७७।७८ को क्रमागत | सालझण्डी निर्माण सेवा | २,६०,०००।०० |
| २१ | २०७८।०९।०८ | आवसीय भवन निर्माण । खरिद | सालझण्डी निर्माण सेवा | ६,००,०००।०० |
| २१ | २०७८।०९।०८ | गैर आवसीय भवन निर्माण । खरिद | सालझण्डी निर्माण सेवा | ११,८३,३९०।०० |
| ८७ | २०७८।१२।०८ | जिल्ला समन्वय समिति कार्यक्रम | सालझण्डी निर्माण सेवा | १३,६०,०००।०० |
| कुल जम्मा | | | | ५६,३८,३९०।०० |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| २०.१ | | | जटिलसंरचना निर्माण – सार्वजनिक खरिद नियमावली, २०६४ को नियम ९७ अनुसार उपभोक्ता समितिहरुलाई मेशिन, औजार उपकरणहरुको आवश्यक नपर्ने, श्रममूलक कार्यको जिम्मेवारी दिनुपर्ने व्यवस्था रहेको छ । पालिकाले भवन, कल्भर्ट लगायतका जटिल प्राविधिक पक्ष समावेश हुने पूर्वाधार संरचना निर्माण कार्य समेत उपभोक्ता समितिहरु मार्फत् गराउने गरेको देखियो । यस्ता कार्य व्यावसायिक र अनुभवी निर्माण व्यवसायी फर्मबाट बोलपत्र प्रतिस्पर्धा मार्फत गराउन उपयुक्त हुने देखिन्छ । यसका केही उदाहरणहरु यसप्रकार रहेका छन् : | |

| गो.भौ.नं./मिति | उपभोक्ता समितिको नाम | भुक्तानी रकम | लागत अनुमान |
|---|---|---|---|
| ९५-२०७८।१२।९ | थारू कल्याणकारी भवन | ७९१६२४ | ८५५२३५.२७ |
| १४७-२०७९।१।४ | महुवाबारी सामुदायिक भवन | ७४७२१३ | ८००००० |
| २३१-२०७९।२।३१ | तिनघरे घोलामा कल्भर्ट | ९८८५५१ | १०७०२४७ |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| २०.२ | | | ढुंगा, गिट्टी, बालुवा, उत्खनन, बिक्री तथा व्यवस्थापन सम्बन्धी मापदण्ड, २०७७ को दफा १८ अनुसार नदी जन्य पदार्थ ठेक्का लिने व्यवसायी अनिवार्य रूपमा मूल्य अभिवृद्धि करमा दर्ता भएको हुनु पर्ने व्यवस्था छ । पालिकाले उपभोक्ता समितिसँग सम्झौता गरी निर्माण कार्य सम्पन्न गरे पश्चात उपभोक्ता समितिले पेश गरेको मू.अ.कर लाग्ने ढुंगा, गिट्टी, बालुवा, ग्राभेल जस्ता निर्माण सामग्री व्यक्ति मार्फत भर्पाइको आधार खरिद गरेको कागजात पेश गर्ने गरेको पाइयो । कपिलवस्तु जिल्लाका स्थानीय तहहरूले नदीजन्य पदार्थको उत्खनन गरी विक्री गर्ने प्रयोजनको लागि ढुंगा, गिट्टी, बालुवा उत्खनको ठेक्का लगाएको अवस्थामा समेत व्यक्ति मार्फत यस्ता निर्माण सामग्री उपभोक्ता समितिले खरिद गरी भर्पाइ पेश गरेकोले राजस्व समेत चुहावट भएको छ । मू.अ.करमा दर्ता नभएका व्यक्तिबाट कर विजक वेगर निर्माण सामग्री खरिद गर्दा चोरी निकासी समेत बढ्ने हुँदा यस्तो कार्यलाई नियन्त्रण गर्नु पर्दछ । व्यक्तिबाट ढुंगा, गिट्टी, बालुवा तथा माटोजन्य बस्तु खरिद गरी भर्पाइ पेश गरेको उदाहरण देहाय अनुसार छन् – | |

<table>
<tr><th>क्रम</th><th>भौचर नम्बर</th><th>भौचर मिति</th><th>बिषय</th><th>बेरुजु रकम</th></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td>
<table>
<tr><th>भौ.नं. मिति</th><th>उपभोक्ता समिति</th><th>भुक्तानी</th><th>विक्रेता</th><th>निर्माण सामग्री</th><th>मूल्य</th></tr>
<tr><td>९१-२०७८।१२।०१</td><td>नौडिहवा सडक निर्माण तथा ग्राभेल उस</td><td>४८८२०३</td><td>जठम थारू</td><td>मिस्कट</td><td>८२०००</td></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td>राम सुगम थारू</td><td>मिस्कट</td><td>४९०००</td></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td>विरत थारू</td><td>मिस्कट</td><td>९२४००</td></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td>बुधर्ड थारू</td><td>मिस्कट</td><td>९९०००</td></tr>
<tr><td>८२-२०७८।११।२५</td><td>पथरदेईया गाउँभित्र मस्जिद पछाडिको बाटो पि.सि.सि ढलान</td><td>९९४३८८</td><td>अली हुसुन पठान</td><td>मिस्कट</td><td>१३२६००</td></tr>
<tr><td>१०८-२०७८।१२।१०</td><td>गुगौ ली गाउँमा पिसीसी ढलान</td><td>४९५३१६</td><td>सन्तरमा तेली</td><td>मिस्कट, गिटी</td><td>३७२१०</td></tr>
</table>
यस्तो खरिदलाई करको दायरामा ल्याउनु पर्दछ ।
</td><td></td></tr>
<tr><td>२१</td><td></td><td></td><td>कार्य सम्पन्न र कन्टिन्जेन्सी</td><td></td></tr>
<tr><td>२१.१</td><td></td><td></td><td>कन्टिन्जेन्सी खर्चको अभिलेख: सार्वजनिक खरिद नियमावली, २०६४ को नियम १० को उपनियम (७) सँग सम्बन्धित अनुसूची १ मा निर्माण कार्यको लागत अनुमान तयार गर्दा वर्क चार्ट र स्टाफ खर्चको लागि २ प्रतिशत र अन्य सानातिना खर्चको लागि २ प्रतिशत कन्टिन्जेन्सी खर्च गर्न सकिने व्यवस्था छ ।पालिकाबाट योजना कार्यान्वियन गर्ने क्रममा प्रत्येक कार्यक्रम खर्चबाट ३ प्रतिशतका दरले बिलबाट यस्तो रकम कट्टी गर्ने गरेको छ । पालिकाले आ.व २०७८/७९ मा कन्टिन्जेन्सी बापत रु २९ लाख ८३ हजार कट्टी गरेको छ । उक्त रकम मध्ये रू. २९लाख ८३ हजार पुरै खर्च भएको छ ।यसरी कट्टी गरेको रकमको कार्यक्रमगत कन्टिन्जेन्सी खर्चको अभिलेख खडा गरी राख्नु पर्नेमा राख्ने गरेको छैन ।</td><td></td></tr>
</table>

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| २१.२ | | | **प्राविधिक बील र कार्य सम्पन्नः** सार्वजनिक खरिद नियमावली २०६४ को नियम १२३(१) मा खरिद सम्झौता अनुसार सार्वजनिक निकायले रनिङ बील वा अन्य कुनै बील बीजकको भुक्तानी गर्दा प्राविधिक नापजाँच गरी नापी किताबमा उल्लेख भएको वास्तविक कार्यसम्पादनको आधारमा भुक्तानी गर्नुपर्ने ब्यवस्था रहेको छ । उपभोक्ता समितिहरूबाट सञ्चालित योजनाको ठेक्का बीलहरूमा लागत अनुमान र वास्तविक कामको मूल्याङ्कनमा बरावर परिमाण र रकम उल्लेख भएको देखिन्छ । लागत अनुमान बरावर नै मूल्याङ्कन भएको देखिएकाले वास्तविक काम कति भएको हो भन्ने सम्बन्धमा आश्वस्त हुन सक्ने अवस्था देखिएन । प्राविधिकले पेश गर्ने कार्य सम्पन्न प्रतिवेदनमा कार्य सम्पन्न गर्नुपर्ने मिति र कार्य सम्पन्न भएको मिति लगायतका इन्जिनियरिङ नर्म्स अनुसार बीलमा खुलाउनुपर्ने तथ्याङ्क उल्लेख गरेको पाइएन । यसले गर्दा कुन काम कहिले सम्पन्न गर्नुपर्ने र तोकिएको अवधिमा सम्पन्न भए/नभएको विषयमा एकिन हुन नसकिएको हुँदा प्राविधिकले इन्जिनियरिङ नर्म्स अनुसारको उपभोक्ता समितिको बील बनाउँदा नापजाँचलाई वास्तविक कार्यसम्पादनमा आधारित बनाउनुपर्दछ । | |
| २२ | २२ | २०७८-९-९ | **नाफामूलक संस्थालाई अनुदान**<br>स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ७६ वितरणमुखी खर्चलाई नियन्त्रण गर्दै संघ तथा प्रदेश सरकारबाट प्राप्त रकमलाई स्थानीय पूर्वाधार विकास तथा दीर्घकालीन पूँजी निर्माण हुने कार्यमा खर्च गर्नुपर्दछ । जसबाट नाफा कमाउने उद्देश्यले स्थापित संस्थालाई अनुदान उपलब्ध गराउन मिल्दैन । यस स्थानीय तहले चिन्तास मिडिया नेटवर्क प्रा.लि.ले रकम मागको निवेदन अनुसार लगभग ६० प्रतिशत कार्य सम्पन्न भएको सिटिभि नामक टेलिभिजन प्रशारणको लागि कम्प्युटर २ थान र १ थान ल्यापटप खरिद गरेको रू. ३१३११३.४८ को विलको आधारमा रू. २ लाख अनुदान दिएको छ । तर उक्त टेलिभिजन सञ्चालनमा आएको सम्बन्धमा अनुगमन गरेको प्रमाण पेश भएन ।पालिकाको अनुदानबाट तोकिए बमोजिम सेवा प्रबाह हुने सुनिश्चित भएको प्रमाण पेश हुनु पर्ने रू. | २००,००० |
| २३ | | | **नन्फाइलर**<br>मूल्य अभिवृद्धि कर ऐन, २०५२ को दफा १८ मा भुक्तानीमा प्राप्त मूल्य अभिवृद्धि करको विवरण भुक्तानी पाएको अर्को महिनाको २५ गतेभित्र सम्बन्धित आन्तरिक राजस्व कार्यालयमा कर विवरण सहित दाखिला गर्नुपर्ने व्यवस्था छ । तर पालिकाबाट देहायका फर्मलाई मू.अ.कर रू. ३२००२६६.९७ समेत रू. २६०४९४३८.८७ भुक्तानी दिएकोमा लेखापरीक्षण अवधिसम्म पनि ती फर्महरू कर विवरण नबुझाई नन्फाईलर रहेको पाइयो । कानूनी व्यवस्थाअनुसार विवरण नबुझाएकोले कर समायोजन भएको प्रमाण पेश हुनुपर्ने रू. | ३,२००,२६६.३ |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|

| गोभौनं./मिति | भुक्तानी पाउनेको नाम | प्यान नं. | नन्फाइलर रहेको मिति | भुक्तानी रकम | मूअकर कर रकम |
|---|---|---|---|---|---|
| संघीय सरकारबाट हस्तान्तरित कार्यक्रम | | | | | |
| ५२-२०८१।३।२४ | जय मां – लोकमणि जे/भी | ६०९८५०७१८ | २०७९।M ।१ | ११३४१५५५.३६ | १२९४६१७.३६ |
| गापा पूँजीगत | | | | | |
| १५९–२०७९।१।६ | देउराली इन्जिनियरिङ्ग कम्पनी प्रा. लि. | ६०९८५०७१८ | २०७९।M ।१ | २५७४३८४.६२ | २८६९६८.२ |
| १८९-२०८१।१।२३ | देउराली इन्जिनियरिङ्ग कम्पनी प्रा. लि. | ६०९८५०७१८ | २०७९।M ।१ | ३०८३५०३.४८ | ३५३७६४.३४ |
| १८८-२०८१।१।२२ | देउराली इन्जिनियरिङ्ग कम्पनी प्रा. लि. | ६०९८५०७१८ | २०७९।M ।१ | २३३०१६४.८९ | ३७०६३६.८९ |
| १८८-२०८१।१।२२ | जय मां – लोकमणि जे/भी | ६१७४७२९२४ | २०७९।M ।१ | ६५९९०९६.८८ | ७५५३४८.८८ |
| ३७६-२०७९।३।२५ | श्री कृष्ण कन्स्ट्रक्सन | ३०५३०६३५५ | २०७८।M ।१२ | १२०७३३.६४ | १३८९३१.३ |
| जम्मा | | | | २६०४९४३८.८७ | ३२००२६६.९७ |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| २४ | | | **हेभी इक्विपमेण्टको प्रयोग**<br>सार्वजनिक खरिद नियमावली, २०६४ को नियम ९७ को उपनियम (९) मा उपभोक्ता समिति वा लाभग्राही समुदायबाट सञ्चालित हुने निर्माण कार्यमा डोजर, एक्साभेटर, लोडर, रोलर, ग्रेडर जस्ता हेभी मेशिनरी प्रयोग गर्न नमिल्ने व्यवस्था छ । सो नियमावलीको प्रतिबन्धात्मक वाक्यांशमा लागत अनुमान तयार गर्दाको समयमा हेभी मेशिन प्रयोग गर्नुपर्ने जटिल प्रकृतिको कार्य भनी उल्लेख भएको रहेछ भने सम्बन्धित प्राविधिकको सिफारिशमा सार्वजनिक निकायबाट सहमति लिई त्यस्ता मेशिन प्रयोग गर्न सकिने उल्लेख छ । पालिका अन्तर्गत सञ्चालित अधिकांश सडक निर्माण तथा स्तरोन्नतिसँग सम्बन्धित योजनाका उपभोक्ता समितिहरूले डोजर, एक्साभेटर लगायतका हेभी मेशिन प्रयोग गर्ने गरेको पाइए तापनि नियमावलीको व्यवस्था बमोजिम सम्बन्धित प्राविधिकको सिफारिश गराई गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालयबाट सहमति लिएको पाइएन । यसका केही उदाहरणहरू यसप्रकार रहेका छन् । | |

| गो. भौ.नं./ मिति | उपभोक्ता समितिको नाम | निर्माण व्यसायी | कूल मूल्यांकन | हेभी उपकरणमा भएको खर्च |
|---|---|---|---|---|
| ९१-२०७८।१२।०१ | नौडिहवा सडक निर्माण तथा ग्राभेल उस | सन्तोष कुमार गुप्ता | ६७२३२८.६७ | ११६६०० |
| १२६-२०७८।१२।२० | मधनगरा जवाबैराठसम्म सडक स्तोन्नति | गणेश केसी | १८८६५३८ | ८१७५०० |
| २६५-२०७९।३।१३ | त्रिपालनगर पुनको घरदेखि आ र.टि. ओ. सडक स्तोन्नति | सुवास सुनार | ४९४७६४ | १०३६००.१९ |

<table>
<tr><th>क्रम</th><th>भौचर नम्बर</th><th>भौचर मिति</th><th>बिषय</th><th>बेरुजु रकम</th></tr>
<tr><td>२५</td><td></td><td></td><td>
मालसामानको गुणस्तर परीक्षण
सार्वजनिक खरिद नियमावली, २०६४ को नियम ११५ मा सार्वजनिक निकायले आपूर्ति गरिएका मालसामान सम्झौतामा उल्लिखित प्राविधिक स्पेसिफिकेशन र गुणस्तर बमोजिमका भए नभएको निरीक्षण वा परीक्षण गर्नु गराउनु पर्ने, निरीक्षण वा परीक्षण गर्ने निकाय, अधिकारी वा समितिले निरीक्षण वा परीक्षण गरी सकेपछि स्वीकृत र अस्वीकृत मालसामानको विवरण उल्लेख गरी निरीक्षण प्रतिवेदन तयार गर्नुपर्ने, त्यस्तो प्रतिवेदनमा जाँच भएको मालसामानको नाम, प्रतिशत, स्पेसिफिकेशन, निरीक्षण वा परीक्षणको परिणाम उल्लेख गर्नुपर्ने व्यवस्था छ । यस सम्वन्धमा देखिएका उल्लेखनीय व्यहोरा निम्नानुसार छन्ः
<ul>
<li>कार्यालयमा मालसामान प्राप्त भएपछि खरिद सम्झौतामा उल्लेख भए अनुसार स्पेसिफिकेशन तथा गुणस्तर सम्वन्धी मापदण्ड पुरा गरे नगरेको खुल्ने गरी परीक्षण सूची सहित नियमको व्यवस्था बमोजिम प्राविधिक स्पेशिफिकेशन तथा गुणस्तर सम्वन्धी सर्त पुरा गरे नगरेको प्रतिवेदन पेश गर्ने गरको पाइएन । तसर्थ मालसामानको प्रकृतिअनुसार तुलनात्मक तालिका वा परीक्षण सूची (check list) सहितको प्रतिवेदन प्राप्त गरी मालसामान दाखिला तथा भुक्तानी गर्ने व्यवस्था मिलाउनु पर्ने देखिन्छ ।</li>
<li>देहायका मालसामान खरिद गरी सम्वन्धित आपूर्तिकर्तालाई भुक्तानी गरेकोमा निरीक्षण÷परीक्षण गर्न गठन गरिएको बोर्डले तयार गर्नेगरेको खोलुवा फाराम समेत नलिई भुक्तानी गरेको उदाहरण देहाय अनुसार रहेको छः</li>
</ul>
<table>
<tr><th>गो.भौ. र मिति</th><th>मालसामानको नाम</th><th>बिक्रेता</th><th>भुक्तानी रकम</th></tr>
<tr><td>४७-२०७८।१०।२४</td><td>मेडिकल सामग्री खरिद</td><td>श्रृजित मेडिसिन एण्ड सर्जिकल सप्लायर्स</td><td>३७९७७०</td></tr>
<tr><td>४६-२०७८।१०।२४</td><td>फर्निचर</td><td>सिद्धार्थ फर्निचर</td><td>१५२५५०</td></tr>
<tr><td>४५-२०७८।१०।२४</td><td>कम्प्युटर</td><td>अल्टरनेटिभ पावरसप्लायर्स</td><td>३०५६२४</td></tr>
<tr><td>११५-२०७८।१२।३१</td><td>कम्प्युटर, ल्यापटप</td><td>लोयल कम्प्युटर</td><td>२९४९३०</td></tr>
<tr><td>२७२-२०७९।३।१६</td><td>जेनेरेटर</td><td>कृष्टल आ इ प्रा.लि.</td><td>९९२०००</td></tr>
<tr><td>१९२-२०७८।१।२५</td><td>कम्प्युटर</td><td>सिद्धबाबा कम्प्युटर्स</td><td>४८६६७२</td></tr>
</table>
</td><td></td></tr>
<tr><td>२६</td><td></td><td></td><td>ठेक्का व्यवस्थापन र ठेक्का भुक्तानी</td><td></td></tr>
</table>

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| २६.१ | | | ठेक्काको विवरण– निर्माण कार्यको विस्तृत अभिलेखाकनका लागि प्रयोग गरिने ठेक्का सम्बन्धी गोश्वरा लगत (म.ले.प.फा.नं. ५०७) अभिलेख राखिएमा कुल गर्नुपर्ने, हालसम्म भएको कामको परिमाण र मूल्य सजिलै जानकारी हुने, कार्य सम्पादन जमानत, पेश्की लिन पेश गरेको बैंक ग्यारेण्टीको अवस्था, काम सम्पन्न गर्नुपर्ने मिति, भेरिएसन आदिको जानकारी हुने हुन्छ । कार्यालयले उक्त प्रयोजनका लागि अभिलेख राखेको देखिएन । अतः स्वीकृत ढाँचा अनुसार सबै विवरण खुल्ने गरी अद्यावधिक बनाई राख्नुपर्दछ । | |
| २६.२ | | | कार्य सम्पन्न नभएकोः सार्वजनिक खरिद नियमावली २०६४ को नियम १२५ (३) मा कुनै निर्माण काम सम्पन्न भइसकेपछि त्यसको जाँचबुझ गर्ने प्राविधिकले सम्पन्न निर्माण कार्य स्वीकृत ड्रइङ्ग डिजाइन वा स्पेशिफिकेशन भए नभएको जाँच गरी सार्वजनिक निकाय समक्ष कार्यसम्पन्न प्रतिवेदन पेश गर्नपर्ने व्यवस्था छ । गणेशपुर ढोडरी खुरखुरीया प्रेमनगर सडक कालोपत्रे निर्माण कार्य २०७९।२।३० भित्र सम्पन्न गर्ने गरी रु. ६४२०७३३.८७ मा निर्माण व्यवसायी गंगा निर्माण सेवासँग २०७८।८।१२ मा सम्झौता भएको छ । सडक निर्माण कार्यको मूल्यांकन अनुसार रू. ५३८३६७२.६५ को कार्य सम्पन्न भएको र स्थानीय विवादको कारण कालोपत्रे गर्ने कार्य सम्पन्न हुन नसकेको कारण लेखापरीक्षण अविधि सम्म पनि कार्य सम्पन्न हुन सकेको पाइएन । स्थानीय विवाद समाधान गरी निर्माण कार्य सम्पन्न गरेको प्रमाण पेश हुनु पर्ने रू. | ५,३८३,६७३ |
| २६.३ | | | डीपीआर खर्च –बजेट व्यवस्था भई कार्यान्वियन हुने आयोजनाको मात्र गुरुयोजना डीपीआर लगायतको अध्ययन गरी प्रतिवेदन तयार गर्नु पर्दछ । यस स्थानीय तहले यो वर्ष स्वीकृत वार्षिक कार्यक्रम अनुसार देहायबमोजिमको कार्य परामर्शदाताबाट गराई प्रतिवेदन प्राप्त गरेको छ । | |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| | | | | |

| क्र. सं. | कार्यक्रमको नाम | परामर्शदाता | स्वीकृत बजेट | खर्च रकम | अध्ययनबाट निर्धारण भएका आयोजनाको लागत | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | Consulting service for the preparation of Detail Engineering Design and Cost estimation of Chirai khola River Training Works. | श्री डिलिजेन्स कन्सल्टिङ्ग प्रा.ली,बानेश्वर, काठमांडौ | ५,००,०००।०० | ४,९७,२००।०० | ५,०९,०२२।०६ | ४९७२०० |
| 2 | Detail Engineering Survey, Design and Cost estimate of Shree Pramhans Adhyatmat Ashram | श्री पवन इम्पावर इन्जिनियरीङ्ग सोलुसन प्रा.ली, बानेश्वर,१० काठमांडौ | ५,००,०००।०० | ४,९६,०७०।०० | १,३४,३४,३३५।६७ | |
| 3 | Khadaicha Chowk-Baddaur School Road, Khajahani Chowk-Chhutpati Chowk Road and Ujjwalpur Chowk -Chirahi Khola Road | श्री सिम्मा सर्भिसेज प्रा.ली.श्री सिम्मा सर्भिसेज प्रा.ली,<br>बालकोट, भक्तपुर। | ७,००,०००।०० | ६,७८,०००।०० | १३,९७,१३,९७९।८२ | |
| ४ | कन्टेन्जेन्सी खर्च व्यवस्थीत गर्न निर्दिशका तयार गरे वापतको रकम भुक्तानी | इन्स्टिच्यूट अफ हिमालयन रिसर्च इन्टिग्रेट डेभेलपमेन्ट प्रा. लि. | १,००,०००।०० | ९७,१८०।०० | | |
| ५ | आन्तरिक नियन्त्रण प्रणाली प्रतिवेदन तयार गरे वापत | बजार विकास केन्द्र प्रा. लि. | ३,००,०००।०० | २,९६,०६०।०० | | |
| ६ | वातावरण व्यवस्थापन निती रणनिति तथा योजना तयार | आलाना इन्टनेशनल सर्विसेस प्रा. लि. | ४,००,०००।०० | ३,९२,११०।०० | | |
| ७ | सार्वजनिक सेवा प्रवाह मापदण्ड निर्माण | आभास एग्रो कन्सल्टेन्सी प्रा. लि. | ४,००,०००।०० | ३,९२,११०।०० | | |


https://nams.oag.gov.np

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| | | | यस्तो अध्ययन कार्य गराउँदा लाग्ने खर्चको लागत अनुमान तयार गर्दा कुनै आधार नलिई स्वीकृत बजेट बमोजिमकै रकम खर्च गरेको उपयुक्त देखिएन । डी.पी.आर.तयार गर्दा गाउँपालिकाको प्राविधिक जनशक्ति प्रयोग नगर्नाको कारण स्पष्ट गर्दै आगामी दिनमा गाउँपालिकाको प्राविधिक जनशक्तिबाट यस्तो कार्य गराउनु पर्दछ ।साथै यसरी अध्ययन प्रतिवेदन तयार भएका विगतका आयोजनाहरू कार्यान्वयनमा गएको समेत देखिएन । | |
| २६.४ | | | गुणस्तर परीक्षण - सार्वजनिक खरिद नियमावली, २०६४ को नियम ११५(१) अनुसार सार्वजनिक निकायले आपूर्ति गरेका मालसामान सम्झौतामा उल्लेखित प्राविधिक स्पेशिफिकेसन र गुणस्तर वमोजिम भए नभएको निरीक्षण वा परीक्षण गर्नु गराउनु पर्ने व्यवस्था छ । ती व्यवस्था अनुसार निर्माण कार्यमा प्रयोग भएका सिमेन्ट गिट्टी, ढुंगा, डण्डी र बालुवाको परीक्षण गराउनु पर्नेमा गराएको छैन । यसले गुणस्तर परीक्षणलाई कार्यालयले प्राथमिकतामा नराखेको स्पष्ट हुन्छ । गुणस्तर परीक्षण वेगर गरेको काम दिगोपना र विश्वसनीय नहुने भएकोले यसमा सुधार हुनु पर्दछ ।केही उदाहरण देहाय बमोजिम छन् । | |

| भौ.नं. मिति | उपभोक्ता समिति | कामको प्रकृति | खुद भुक्तानी |
|---|---|---|---|
| ९४–२०७७।१२।९ | पिपरा स्वास्थ्य चौकीमा गेट तथा वाउन्ड्रिबाल निर्माण | इटाको पक्की वाल | ४४७२९७ |
| ९५-२०७८।१२।९ | थारू कल्याणकारी भवन | भवन निर्माण | ७९१६२४ |
| ८४-२०७८।१२।८ | बघमरवा गाउभित्र मुल सढक पिसीसी | सडक पिसीसी | ८४८९९२ |
| ७९-२०७८।११।२३ | बघमरी गाउँमा पिसिसि ढलान | ,, | ५९४७२४ |
| ८२-२०७८।११।२५ | पथरदेईया गाउँभित्र मस्जिद पछाडिको बाटो पि.सि.सि ढलान | ,, | ९९४३८८ |
| ६१-२०७८।११।१० | प्रसोहियाडिहवा अधुरो पि सि सि ढलान वडा न ३ | ,, | ७९९१२३ |
| १५२-२०७९।१।५ | नयाँ गाउँमा अधुरो नाली निर्माण | नाली निर्माण | ९५५६७८ |
| १५१-२०७९।१।५ | नौरङ्गीया गाउँमा पीसीसी ढलान | सडक पिसीसी | १२८९५६५ |
| १५०-२०७९।१।५ | दीपेन्द्रनगर चौवा घोला पीसीसी ढलान | सडक पिसीसी | ९९९९४१ |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| २६.५ | | | ठेक्का व्यवस्थापनः आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व नियमावली, २०७७ को नियम १६(७) अनुसार लागत अनुमान तयार गर्ने, ठेक्का सम्झौता गर्ने कार्य प्रथम त्रैमासिक भित्र गर्नुपर्ने व्यवस्था छ । कार्यालयको यो वर्ष वोलपत्र तथा सिलवन्दी दरभाउ पत्रको माध्यमबाट एक वटा ठेक्का सम्झौता गरेकोमा चौथो त्रैमासिकमा मात्र सम्झौता गरेको छ । नियमावलीले गरेको व्यवस्था वमोजिम तोकिएको समयावधी भित्र ठेक्का वन्दोवस्त नगरी चौथो त्रैमासिकमा समेत ठेक्का सम्झौता गरी प्रगति शत प्रतिशत देखाउने गरेको छ । स्वीकृत कार्यक्रम अनुसार सम्पूर्ण कार्य गर्नु पर्नेमा सो वमोजिम गरेको पाइएन । नियमको पालना हुनु पर्दछ । | |
| २७ | | | **लाभग्राहि समुदाय दर्ता**<br>उपभोक्ता समिति दर्ताः सार्वजनिक खरिद नियमावली, २०६४ को नियम ९७ मा उपभोक्ता समितिबाट कार्य गराउने व्यवस्था छ । संस्था दर्ता ऐन, २०३४ को दफा ३ मा कुनै पनि संस्था विधानसहित दर्ता नभएमा कानूनी मान्यता दिन मिल्ने देखिदैन । पालिकाले यो बर्ष विभिन्न २०४ उपभोक्ता समितिसँग सम्झौता गरी कार्य गराई रु. ९ करोड ३१ लाख ४५ हजार ३२६ भुक्तानी गरेकोमा यसरी कार्य गर्न गठन भएका उपभोक्ता समिति ऐनको उक्त व्यवस्थाअनुसार दर्ता भएको पाइएन । त्यस्ता समितिहरु स्थानीय स्तरमा सञ्चालित आयोजनाको निर्माण गर्न अस्थायी रुपमा गठन हुने र कार्य सम्पन्न पश्चात् समिति विघटन हुने हुँदा निर्माण कार्य सम्पन्न भएका आयोजना सञ्चालन तथा मर्मत सम्भारमा ती समितिलाई जिम्मेवार बनाउन कठिनाइ हुने र त्यस्ता समितिहरुले आयव्ययको लेखापरीक्षण समेत नगराउने भएकोले स्थायी संयन्त्रमार्फत् काम गर्ने, गराउने गरी सुधार हुनुपर्दछ। | |

<table>
<tr><th>क्रम</th><th>भौचर नम्बर</th><th>भौचर मिति</th><th>बिषय</th><th>बेरुजु रकम</th></tr>
<tr><td>२८</td><td></td><td></td><td>
कार्य सम्पन्न नभएको<br>
सार्वजनिक खरिद नियमावली २०६४ को नियम १२५ (३) मा कुनै निर्माण काम सम्पन्न भइसकेपछि त्यसको जाँचबुझ गर्ने प्राविधिकले सम्पन्न निर्माण कार्य स्वीकृत ड्रइङ्ग डिजाइन वा स्पेशिफिकेशन भए नभएको जाँच गरी सार्वजनिक निकाय समक्ष कार्यसम्पन्न प्रतिवेदन पेश गर्नपर्ने व्यवस्था छ । पालिकाले देहाय अनुसारका विद्यालयको खातामा खाता रोक्का रहने गरी बिल भरपाइ बेगर रू. १ करोड ६८ लाख खर्च लेखेको देखिन्छ । सशर्त अनुदानको रकम संघीय सरकारमा फिर्ता नगरी आ.व. को अन्त्यमा विद्यालयको खातामा रकम निकासा गरेकोमा सम्बन्धित विद्यालयबाट सो कार्य भएको आवश्यक बिलभरपाइ सहितको प्रमाण पेश गर्नुपर्ने रु.
<table>
<tr><td>भौ.नं. मिति</td><td>विद्यालयको नाम</td><td>कार्यक्रमको नाम</td><td>भुक्तानी रकम</td></tr>
<tr><td>२४-२०७९।३।२५</td><td rowspan="3">दुधाधारी मा.वि.</td><td rowspan="3">केन्द्रबाट छनोट भएका नमुना विद्यालय</td><td rowspan="3">१५००००००</td></tr>
<tr><td>३८-२०७९।१।८</td></tr>
<tr><td>५८-२०७९।३।२५</td></tr>
<tr><td>२३-२०७८।३।१८</td><td>भुवनेश्वरी मा.वि.</td><td>केन्द्रबाट छनौट भएका नमुना विद्यालय</td><td>१८०००००</td></tr>
<tr><td>जम्मा</td><td></td><td></td><td>१६८०००००</td></tr>
</table>
</td><td>१६,८००,०००</td></tr>
<tr><td>२९</td><td></td><td></td><td>
शौचालय निर्माण<br>
विजयनगर गाउँपालिकाले संघीय विशेष अनुदानबाट ५०४ वटा शौचालय निर्माणको लागि रू. २०२९७६७७.६८ को लागत अनुमान तयार गरी २०७८।८।१२ मा सिर्जना आषिस जेभीसँग रू. १९८६०६७६.०४ मा सम्झौता भएको छ । यस सम्बन्धमा देखिएका व्यहोरा देहाय अनुसार छन् ।
</td><td></td></tr>
</table>

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| २९.१ | | | शौचालय भित्र पानी नभएको, जस्ताको छाना भएको लम्बाई १.५ मी., चौडाई १.१ मी. र औषत उचाई १.७५ मी.को उक्त शौचालय भए पनि विगतमा यस्तो सुविधा लिए नलिएको सम्बन्धमा पालिकाले कुनै अभिलेख राखेको छैन । विगतमा संघ, प्रदेश तथा स्थानीय तहबाट यस प्रकारको सुविधा नलिएको सम्बन्धमा पालिकाले अध्ययन अनुसान्धान गरेको पाइएन । यसको प्रयोगको समन्धमा पालिकाबाट अनुगमन भएको समेत पाइएन ।<br> <br>पालिकाले बनाएका ५०४ मध्येका शौचालयहरू | |
| २९.२ | | | कपिलवस्तु जिल्ला २०७६ भदौ ३१ गते खुला दिशा मुक्त जिल्ला घोषणा भैसकेको अवस्थामा समेत पालिकाको १ देखि ८ वडा मा ५०४ वटा शौचालय निर्माण गरी प्रति शौचालय रू. ४०२७३.१७ को दरले रू. १९८५४८१८.०४ भुक्तानी गरेको छ । खुला दिशा मुक्त घोषणा भएको ३ वर्षको अवधिमा शौचालयको आवश्यकताको सम्बन्धमा पालिकाबाट अध्ययन नगरी वितरणमुखी कार्यक्रमको लागि बजेट खर्च गर्नुको कारण पालिकाले खुलाएको छैन । | |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| ३० | | | **बढी प्राविधिक भत्ता भुक्तानी**<br>शिक्षा नियमावली, २०५९ को नियम १७९ मा कुनै कामको लागि आबश्यकभन्दा बढी रकम माग गर्ने र निकासा दिने पदाधिकारीलाई कानून बमोजिम कारबाही गरी बढी निकासा वा खर्च भएको रकम असुल उपर गरिने उल्लेख छ ।कार्यक्रम कार्यान्वयन पुस्तिका २०७८।७९ को शिक्षकको तलब भता तथा सेवा सुविधा सम्बिन्ध तालिकामा प्राविधिक धारका प्रशिक्षकलाई प्रति महिना ३ हजारका दरले १० महिनाको प्राविधिक भता दिन सक्ने व्यवस्था छ । गाउँपालिकाले विभिन्न चौमासिकमा तलब भता माग अनुसार प्राविधिक धार संचालित भुवनेश्वरी माध्यमिक विद्यालयका प्रशिक्षकहरुलाई १२ महिनाको प्राविधिक भता भुक्तानी दिएकोमा ३ महिनाको ३ हजारका दरले बढी भुक्तानी भता रकम असुल गरि राजश्व दाखिला गर्नुपर्ने रु.<br><br>क्र.सं. / विद्यालयको नाम / बढी भता रकम<br>१ / अवधेश कुमार दुवेदी / ३* ३००० = ९०००<br>२ / अरुण कुमार चौधरी / ३* ३००० = ९०००<br>३ / आकाश बर्मा / ३* ३००० = ९०००<br>४ / प्रदिप कुमार चौधरी / ३* ३००० = ९०००<br>५ / समिर खनाल / ३* ३००० = ९०००<br>/ जम्मा बढी रकम / ४५००० | ४५,००० |
| ३१ | | | **प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम**<br>कार्यक्रम अन्तर्गत कामका लागि पारिश्रमिकमा आधारित सामुदायिक आयोजना सञ्चालन गर्न कुल निकासा प्राप्त रु.१३७४१०००।– मध्येबाट कृषि सडक र कुलो निर्माण र पाईपालाईन निर्माण कार्यमा खर्च भएको छ । सामग्री खरिद तथा ढुवानी र कण्टिन्जेन्सी खर्च बाहेक श्रमिक ज्यालामा रु. ७२०८४६१।– खर्च भएको देखिन्छ । रोजगार कार्यक्रममा आवद्ध हुनको लागि ८०४ जनाले निवेदन दिएकामा जम्मा ५६३ जना छनोट भएको प्रतिवेदन गाँउपालिकाले तयार गरेको छ । पालिकका ७ वटा वडा मध्ये ७ वटा वडामा यो कार्यक्रम संचालन भएको जानकारी गाँउपालिकाले दिएको छ । ७ वटा वडामा सञ्चालित कार्यक्रममा ५६३ जनालाई दैनिक ५७७ को दरले अधीकतम १०० दिन रोजगारी दिएको पाइयो ।यसरी कार्यक्रमको नापी तथा मूल्यांकन तयार गरे पनि कार्य दिन र कूल कार्य बीच तुलना गर्न सक्ने अवस्था छैन । | |
| ३२ | | | **कोभिड १९ राहत रकम वितरण कार्यक्रम** | |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| | | | कोभिड १९ को महामारीबाट प्रभिवित अतिविपन्न परिवार नगद हस्तान्तरण कर्यविधि २०७८ को दफा ३ अनुसार कोभिड १९ महामारी नियन्त्रणको लागि गरिएको बन्दाबन्दीको कारणबाट भइरहेको पेशा व्यवसाय वा श्रम गर्ने अवसर गुमाई आर्थिक रुपमा अतिविपन्न अन्तर्गत विगतमा गर्दै आएको रोजगारी पूर्ण रुमपा गुमाएको, खुला सडक फुटपात वा चौरमा खर्पन नङ्लो डोको आदिमा सामान बेच्ने अति विपन्न व्यवसायी, दैनिक ज्याल मजदुरी गर्ने भरिया, मजदुर तथा कोभिड-१९ का कारण आयआर्जन गर्ने मुख्य सदस्यको मृत्यु भई आर्थिक संकट झेल्नु परेको व्यक्ति तथा परिवालाई नगद राहत दिनुपर्ने साथै निवेदकको परिवारका कुनै सदस्य सरकारी तथ निजी रोजगारमा नभएको, नेपाल सरकारबाट प्राप्त हुने कुनै किसिमका सामाजिक सुरक्षा भता प्राप्त नगर्ने, बैदेशिक रोजगारीको अवसर प्राप्त गरी आय आर्जन नगरेको तथा प्रधानमन्त्री रोजगारको लागि प्राप्त नगरेको व्यक्तिलाई मात्र रु १०००० प्रति व्यक्ति नगद राहत स्वरुप उपलब्ध गराउने व्यवस्था छ।गाउँपालिकाले भौ नं १५५-०७८।१२।२१ बाट रु २९२००००, भौ नं १८५-२०७९।१।०९ बाट ९८०००० र भौ नं १८५-२०७९।१।१९ बाट रु २६६०००० गरी कुल ६५६०००० रकम प्रति व्यक्ति रु १०००० का दरले ६५६ जनालाई वितरण गरेको छ । श्रेस्ता परीक्षणको क्रममा पालिकाले उपरोक्त कार्यविधि विपरित यथार्थ मापदण्डको जाँच वेगर पालिकाको ७ वटा वडाध्यक्षको सिफारिसमा ६५६ जना व्यक्तिलाई रु १०००० का दरले अनुदान वित्तरण गरेको पाइयो । पालिका भित्रका ७ वटा वडामा देहायका वडाध्यक्षको सिफारिसमा देहाय अनुसार राहत वित्तरण पेश भएको छ ।।यसरी उपरोक्त कार्यविधि विपरित वास्तविक घर परिवार तथा वास्तविक लाभग्राहीको पहिचान नगरी नगद राहत वित्तरण गरेकोले अनुदानको यथोचित सदुपयोग भएको मान्न सकिने अवस्था नरहेकोले यसको पालिकाद्वारा उचित छानविन गरी अनुदानको वास्तविक्ताको जाँच हुनुपर्दछ । | |

| वडा नं | वडा अध्यक्षको नाम | राहत पाउने संख्या | राहत दर | जम्मा राहत रकम |
|---|---|---|---|---|
| १ | इननर थारु | ८४ | १०००० | ८४०००० |
| २ | नेपाल चौधरी | ८९ | १०००० | ८९०००० |
| ३ | हृदय विकास चौधरी | ९८ | १०००० | ९८०००० |
| ४ | तिलक राम कटेल | ९४ | १०००० | ९४०००० |
| ५ | अनवर मोहमम्द मुसलमान | ९४ | १०००० | ९४०००० |
| ६ | प्रेम बहादुर कलवार | २०४ | १०००० | १०४०००० |
| ७ | दिनेश कुमार चौधरी | ९३ | १०००० | ९३०००० |
| | जम्मा राहत | ६५६ | | ६५६०००० |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| ३३ | | | **स्यानेटरी प्याड**<br>सार्वजनिक खरिद ऐन, २०६३ को दफा ८ बमोजिम प्रतिस्पर्धा सिमित नहुने गरी खरिद गर्नुपर्ने व्यवस्था छ । त्यस्तै सार्वजनिक खरिद नियमावलीमा रु.१० लाखसम्मको खरिद कार्य सोझै गर्न सकिने, रु.१० लाखभन्दा माथि रु.२० लाखसम्म सिलबन्दी दरभाउपत्रबाट र सोभन्दा माथि बोलपत्रको माध्यमबाट खरिद गर्ने व्यवस्था छ ।त्यस्तै कार्यक्रम कार्यान्वयन पुस्तिका अनुसार सामुदायिका विद्यालयका कक्षा ६-१२ सम्मका छात्राहरुको लागि निःशुल्क स्यानेटरी प्याड वितरणको व्यवस्था भएकोमा पालिकाले यो वर्ष भौ. नं.२४४-०७९।३।२५ बाट जस्टिन हाइजिन प्रोडक्ट्स प्रा.लि. (६१०१२११८०) सँग चालु किसिमका वस्तु वा सेवा अन्तर्गत २०००० सेनेटरी प्याडको प्याकेट मुल्य अभिवृद्धि कर समेत रु.१५००००० को सेनेटरी प्याड खरिद गर्दा प्रतिस्पर्धात्मक विधि नपनाइ सोझै खरिद गरेकोले पालिकाले यस्तो खरिदमा नियन्त्रण गर्नुपर्दछ । | |
| ३४ | | | **बढी निकासा** | |
| ३४.१ | | | प्राविधिक धारका विद्यालय दोहोरो अनुदानः कार्यक्रम कार्यान्वयन पुस्तिका २०७८।७९ को क्रियाकलाप नं २.७.१३.३ को बुँदा नं. २.६ अन्तर्गत प्राविधिक धार संचालनमा रहेका विद्यालयलाई OJT गर्ने विद्यार्थी संख्या यकिन गरी प्रति विद्यार्थी रु. १५ का दरले विद्यालयलाई अनुदान दिने व्यवस्था छ ।उक्त अनुदान रकमबाट विद्यालयले एक जना प्राथमिक तह तृतीय श्रेणी सरहको १ जना ल्याब असिस्टेन्ट नियुक्त गर्नुपर्ने र OJT गर्ने विद्यार्थीहरुलाई प्रति विद्यार्थी १ हजारका दरले उपलब्ध गराउने व्यवस्था छ ।गाउँपालिकाले भौ.नं. ९६-२०७८।१०।१३ बाट प्राविधिक धार संचालित विद्यालय भुवनेश्वर माध्यमिक विद्यालयलाई OJT का ७५ जना विद्यार्थीका लागि रु.१५००० का दरले रु. ११ लाख २५ हजार निकासा दिएकोमा श्रेस्ता परीक्षण गर्दा भुवनेश्वरी मा वि ले तबल माग फारमबाट पनि एक जना ल्याब असिस्टेन्टको पुष ७ गते देखि मासिक रु.२८६१० प्रशिक्षण भता रु.३००० र महंगी भता रु.२००० का दरले असार मसान्त सम्मको तलब भता माग गरेको र पालिकले उक्त भुक्तानी दिएको समेत पाइयो ।यसरी ल्याब असिस्टेन्टको लागि एकमुष्ट अनुदानबाट र तलब भता बाट गरी दोहोरो रकम निकासा भएकोले तलब मार्फत निकासा भएको रकम भुवनेश्वरी मा.वि. सँग असुल गर्नुपर्ने रु. | २३८,५४८ |
| ३४.२ | | | | |
| ३४.३ | | | | |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| ३४.४ | | | छात्रवृत्ति मा बढी निकासाः कार्यक्रम कार्यान्वियन पुस्तिका २०७८।७९ को क्रियाकलाप नं ७.२.१.१ अनुसार सार्वजनिक विद्याललयमा अध्ययनरत विद्यार्थीहरुका लागि छात्रवृतीको व्यवस्था छ ।पालिका अन्तर्गत संचालित विद्यालयहरुमध्ये छात्रवृतीको नमुना छनौटका आधारमा परीक्षण गर्दा पालिकाले भौ नं १००-०७८।१०।२४ बाट छात्रवृती रकम निकासा दिदा देहायका विद्यालयलाई वितरण भन्दा बढी निकासा भएकोले बढी निकासा रकम देहायका विद्यालयहरुबाट असुल गर्नुपर्ने रु.<br><br>क्र.सं. \| विद्यालयको नाम \| निकासा रकम \| वित्तरण \| बढी<br>१ \| दुधाधारी मा.वि. \| २११११० \| १९७९१० \| १३२००<br>२ \| त्रिनेत्र आ.वि. \| १५८२८६ \| १४६५८६ \| १२०००<br> \| बढी निकासा \| \| \| २५२०० | २५,२०० |
| ३४.५ | | | | |
| ३५ | २६६ | २०७९-३-१४ | **ल्याव सञ्चालन**<br>ल्याव सञ्चालनः निर्माण कार्यको गुणस्तर परीक्षण सञ्चालनको लागि पूँजीगत शीर्षकबाट रू. ४९७९३४।– को उपकरण फिस्टेल जियो सर्भे प्रा.लि.बाट खरिद गरेको छ । आर्थिक वर्षको अन्त्यमा खरिद भएका ल्याव सम्बन्धी उपकरण लेखापरीक्षणको अवधिसम्म पनि उपयोग नगरी प्रयोग विहीन अवस्थामा रहेको पाइयो । यस्ता उपकरणको वारेन्टी पिरियड एक निश्चत अविधसम्म हुनेमा खरिद भएर पनि उपयोगमा ल्याउन नसकेको कारणले कार्यालयबाट प्रदान हुने गुणस्तर परीक्षण सेवाबाट समेत सर्वसाधारण बन्चित हुनु परेको अवस्था छ ।खरिद भएका उपकरण यथाशीघ्र जडान गरी सेवा प्रवाह गरेको प्रमाण पेश गर्नु पर्ने रू. | ४९७,९३४ |
| ३६ | | | **कर्मचारी सुबिधा सम्वन्धमा** | |
| ३६.१ | | | प्रोत्साहन भत्ताः स्थानीय सरकार संचालन ऐन २०७४ को दफा ८६ (१) बमोजिम स्थानीय सेवाको गठन, संचालन, व्यवस्थापन, सेवाका शर्त तथा सुविधा सम्बन्धी आधारभूत सिद्धान्त र मापदण्ड संघीय कानुन बमोजिम हुने, दफा ८६ (२) बमोजिम अन्य व्यवस्था स्थानीय तहले बनाएको कानुन बमोजिम हुने व्यवस्था छ । त्यस्तै अर्थ मन्त्रालयको कार्य संचालन निर्देशिकाको परिच्छेद ७ को ७.४.१ बमोजिम अतिरिक्त समय र बिदाको दिन काम गर्दा अर्थ मन्त्रालयबाट नर्म्स स्वीकृत गराई खाजा र खाना भुक्तानी दिनुपर्ने र ७.४.१ को (५) बमोजिम प्रोत्साहन भत्ता खुवाउन समेत अर्थ मन्त्रालयबाट स्वीकृति लिनुपर्ने व्यवस्था छ । पालिकाले कानून नबनाई फिल्ड भत्ता भनि गाँउपालिका तर्फका केही कर्मचारीको प्र्रोत्साहन भत्ता खर्च गर्नु नियमसंगत नदेखिएको । | ३,४९५,७४७ |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| ३६.२ | | | फिल्ड भत्ताः स्थानीय सरकार संचालन ऐन २०७४ को दफा ८६ (४१) बमोजिम स्थानीय सेवाको गठन, संचालन, व्यवस्थापन, सेवाका शर्त तथा सुविधा सम्बन्धी आधारभूत सिद्धान्त र मापदण्ड संघीय कानुन बमोजिम हुने, दफा ८६ (२) बमोजिम अन्य व्यवस्था स्थानीय तहले बनाएको कानुन बमोजिम हुने व्यवस्था छ । त्यस्तै अर्थ मन्त्रालयको कार्य संचालन निर्देशिकाको परिच्छेद ७ को ७.४.१ बमोजिम अतिरिक्त समय र बिदाको दिन काम गर्दा अर्थ मन्त्रालयबाट नर्म्स स्वीकृत गराई खाजा र खाना भुक्तानी दिनुपर्ने र ७.४.१ को (५) बमोजिम प्रोत्साहन भत्ता खुवाउन समेत अर्थ मन्त्रालयबाट स्वीकृति लिनुपर्ने व्यवस्था छ । पालिकाले कानून नबनाई फिल्ड भत्ता भनि गाँउपलिकाको सशर्त चालुबाट तलव खाने स्वास्थ्य शाखा प्रमुखलाई फिल्ड भत्ता वापत कर वाहेक रु १०११८४ खर्च लेखेको नियमसंगत नदेखिएको । | १०१,१८४ |
| ३६.३ | | | सल्लाहकार सुविधाः लुम्बिनी प्रदेश स्थानीय तहका पदाधिकारी तथा सदस्यको सुविधा सम्बन्धी कानूनमा संम्शोधन र एकीकरण गर्न वनेको विधयेक, २०७६ मा यस प्रदेशमा स्थानीय तहका प्रमुख तथा उप प्रमुखले स्वकीय सल्लाहकार राख्न पाउने व्यवस्था गरेको छैन। त्यसैगरी स्थानीय सरकार संचालन ऐन, २०७४ को दफा ८३(८) मा तोकिएको भन्दा फरक पदमा कर्मचारी पदपूर्ति गर्ननहुने उल्लेख छ । गाउँपालिकाको अध्यक्षले सल्लाहकारको रुपमा १ कर्मचारी राखी रु. १६७७४७ भुक्तानी भएको छ ।कानून विपरितको गरेको यस्तो खर्च नियमित नभएको । | १६७,७४७ |

<table>
<tr><th>क्रम</th><th>भौचर नम्बर</th><th>भौचर मिति</th><th>बिषय</th><th>बेरुजु रकम</th></tr>
<tr><td>३७</td><td></td><td></td><td>अन्य संस्थालाई भुक्तानीः<br>गाँउपालिकाले आफ्नो कार्यक्षेत्र भित्र स्वीकृत कार्यक्रम र बजेट सीमा भित्र रही खर्च गर्नु पर्दछ ।यस वर्ष गँउपालिकाले समान अस्तित्व र छुट्टै वजेट हुने देहायका कार्यालयको बील भुक्तानी नियम विपरित देखिएको ।<br><table>
<tr><td>गो.भो. न र मिति</td><td>कार्यालय</td><td>प्रयोजन</td><td>रकम रू</td></tr>
<tr><td>२६।२०७८।६।१०</td><td>इलाका प्रहरी कार्यालय कृष्णनगर</td><td>इन्धन</td><td>४९२५०</td></tr>
<tr><td>१३२।२०७८।१२।२१</td><td>प्रहरी पोष्ट खडैचा</td><td>कार्यालय व्यस्थापन</td><td>४९२५०</td></tr>
<tr><td>१३५।२०७८।१२।२१</td><td>कपिलवस्तु जिल्ला अदालत</td><td>वाउन्ड्रि वाल निर्माण</td><td>१५००००</td></tr>
<tr><td>२३३।२०७९।३।१</td><td>इलाका प्रहरी कार्यालय गणेशपुर</td><td>गाडिभाडा</td><td>९००००</td></tr>
<tr><td>१९३।२०७९।१।२७</td><td>इलाका प्रहरी कार्यालय गणेशपुर</td><td>निर्वाचन प्रयोजन</td><td>९००००</td></tr>
<tr><td>३०२।२०७९।३।२०</td><td>इलाका प्रहरी कार्यालय गणेशपुर</td><td>गाडिभाडा</td><td>१३५०००</td></tr>
<tr><td></td><td></td><td>जम्मा</td><td>५६३५००</td></tr>
</table></td><td>५६३,५००</td></tr>
<tr><td>३८</td><td></td><td></td><td>महोत्सव तथा अन्य खर्च<br>स्थानीय सरकार संचालन ऐन, २०७४ ले संस्था, समूह, पर्व, जात्रा, यात्रा, विरामी, संस्कृति लगायतमा आर्थिक सहायता दिन सक्ने कानूनी व्यवस्था गरेको देखिदैन । तर पालिकाले यस वर्ष महोत्सव, धार्मिक, सामाजिक, साँस्कृतिक प्रकृतिका कार्यमा रु. ६०८०००।०० खर्च गरेको छ । मापदण्ड तथा कार्यविधि नवनाई गरिएको यस प्रकारको खर्चलाई नियन्ण गर्नु पर्दछ ।</td><td></td></tr>
<tr><td>३९</td><td></td><td></td><td>नन्फाइलर<br>मूल्य अभिवृद्धि कर ऐन, २०५२ को दफा ७ बमोजिम असुल गरेको मूल्य अभिवृद्धि कर विवरण अर्को महिनाको २५ गतेभित्र सम्बन्धित आन्तरिक राजस्व कार्यालयमा पेश गर्नु पर्ने व्यवस्था रहेको छ । गोभोन ९५१।०७९।३।२५बाट मागमा आधारित पूर्वाधार विकास कार्यक्रममा पेश भएको रुद्रराज निर्माण सेवा प्यान विल ६०८८९००८७ बाट भुक्तानी भएको रु ५५७९१ मुल्य अभिवृद्धि कर लेखापरीक्षणको अवधिसम्म दाखिला भएको नदेखिएकोले मुल्य अभिवृद्धि कर समायोजनको प्रमाण पेश हुनु पर्ने ।</td><td>५५,७९१</td></tr>
</table>

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| ४० | | | **कार्यक्रम विना भुक्तानीः**<br>गाँउपालिकाले कार्यक्रममा उल्लेख भएका वा गाँउसभाबाट निर्णय भएको कार्यक्रमको लागि मात्र खर्च गर्न पाउने व्यवस्था छ ।गाँउपालिकाले गो.भौ.नं. ९५०।२०७९।३।२५ बाट मसलन्द तथा कार्यालय सामग्रीबाट गाँउपालिका प्रमुख र जिन्सी शाखाका आदेश अनुसार टुक्रे विलबाट विभिन्न व्यक्तिबाट खरिद भएको पाइप, कर्कट पाता, सिमेन्ट, जाली आदिको रु ९३३४७० विल भुक्तानी भएको छ । गाँउपालिकाले कार्यक्रममा उल्लेख नभएको कार्यक्रममा गाँउसभाबाट निर्णय गरी वितरणमुखी प्रकृतिका कार्यमा खर्च गरेको छ । यस्ता खर्च नियन्ण गर्नु पर्दछ । | |
| ४१ | | | **अनुदानको अनुगमन**<br>सार्वजनिक निकायबट उपलब्ध गराईएको अनुदानको सही सदुपयोग भए नभएको एकीन गर्न अनुदान उपलब्ध गराउने निकायले समय समयमा अनुगमन गर्नुपर्दछ । तर पालिकाले कृषि, पशु, शैक्षिक सेवा, सामान खरिदमा अनुदान खर्च लेखेको छ । तर पालिकाबाट वितरण भएको अनुदानको सही सदुपयोग भए नभएको सम्बन्धमा अनुगमन तथा सोबाट प्राप्त उपलव्धी मापन गरेको छैन । साथै अनुदान सम्बन्धमा पालिकाले स्थानीय अनुदान नीति तय गरेका छैन । तसर्थ अनुगमनलाई प्रभावकारी बकनाई संघ, प्रदेश तथा स्थानीय तहबाट वितरण हुने अनुदानमा दोहोरोपना नहुने गरी अनुदानग्राहीको जीवनस्तरमा सुधार आएको यकीन गरी रकमको पूर्ण सदुपयोग गराउनेतर्फ ध्यान दिनुपर्दछ। | |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| ४२ | | | **वितरणमुखी कार्यक्रम**<br>स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ७६ वितरणमुखी खर्चलाई नियन्त्रण गर्दै संघ तथा प्रदेश सरकारबाट प्राप्त रकमलाई स्थानीय पूर्वाधार विकास तथा दीर्घकालीन पुँजी निर्माण हुने कार्यमा खर्च गर्नुपर्दछ । यस पालिकाको आ. व. २०७८।७९ को बजेटबाट खानेपानी पाइप, हेण्डपाइप, जस्तापाता वितरण जस्ता कार्यक्रममा खर्च गरको पाइयो ।यस्ता प्रकारका वितरणमुखी कार्यक्रमबाट उत्पादकत्व वृद्धि नहुने, वितरण भएका सामग्रीको सदुपयोग नहुने हुँदा राज्यको सिमित स्रोत साधनबाट सर्वसाधारण जनताले लाभ लिन नसक्ने हुँदा यस्तो खर्च नियन्त्रण गर्नु पर्दछ । पालिकाले यस वर्ष जम्मा रू ८५९५१५९ वितरणमुखी कार्यक्रममा खर्च लेखेको छ । वितरणमुखी खर्चको उदाहरण देहाय अनुसार छन् । | |

| क्र स | क्रियाकलाप | परीमाण | खर्च रकम |
|---|---|---|---|
| १ | खानेपानी हेण्डपम्प | २४२ | ७३६८८२ |
| २ | भट्टी चुलो | १६६ | ७९६६३५ |
| ३ | जस्तापाता | ३७५ | ६४९२४४२ |
| ४ | मिनरल ब्लक मेशिन | ८ | २४९२०० |
| ५ | वडा नं. ६ मा नल वितरण | ४३ | ३२०००० |
| जम्मा | | | ८५९५१५९ |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| ४३ | | | **शीर्षक फरक पारी भुक्तानीः**<br>संघीय सशर्त शीर्षकवाट प्राप्त भएको रकम तोकिएको कार्यक्रममा तोकिएको कार्यविधि अनुसार खर्च गर्नु पर्दछ । गाँउपालिकाले स्थानीय तहका स्वास्थ्य चौकी, प्राथामिक स्वास्थ्य चौकिमा कार्यरत कर्मचारीहरको तलव भत्ता, महगीं भत्ता, स्थानीय भत्ता,पोषाक लगायतका प्रशासनिक खर्च मात्र लेख्न मिल्ने शीर्षकवाट गो.भो. ३५२।०७९।३।२३ वाट स्वास्थ्य सम्वन्धी फरम्याट छपाई भनि ३२२२८१ खर्च लेखेको छ । गाँउपालीका चालु बजेटबाट गर्नु पर्ने यस्ता प्रकृतिका खर्च संघीय सशर्त शीर्षकवाट कार्यविधि अनुसार खर्च गर्न नमिल्नेमा खर्च गरीएकोले शोधभर्ना भई संघीय सञ्चितकोष दाखिला हुनु पर्दछ । | ५४५,२२६ |
| ४४ | | | **अनुदान वितरण** | |

<table>
<tr><th>क्रम</th><th>भौचर नम्बर</th><th>भौचर मिति</th><th>बिषय</th><th>बेरुजु रकम</th></tr>
<tr><td>४४.१</td><td></td><td></td><td>सुरक्षित नागरिक आवास – सुरक्षित आवास कार्यान्वयन कार्यविधि २०७५, (संशोधन २०७७।१।८) को बुँदा ३ मा लक्षित वर्गको पहिचान गर्ने, बुँदा ४ मा लाभग्राही छनोटको आधार विधि र बुँदा ५ मा अनुदान सम्झौता र वितीय प्रबन्ध गर्नुपर्ने तथा बुंदा ६ मा झुठा विवरण पेश गरी अनुदान रकम लिएको पाइएमा वा जुन प्रयोजनको लागि अनुदान उपलव्ध गराइएको हो सोही प्रयोजनमा खर्च नगरी अन्य प्रयोजनमा खर्च गरेको पाइए वा किस्ता बमोजिमको गर्नुपर्ने कार्यप्रगति अनुदान उपलव्ध गराइएको मितिले ३ महिना भित्र नगरेमा लाभग्राहीबाट अनुदान रकम स्थानीय तहले असूल उपर गर्ने व्यवस्था छ । कार्यालयले सुरक्षित नागरिक आवास समन्वय समितिले लाभग्राही छनोट र सिफारिश गरेको नामावलीको आधारमा ६९६ घर निर्माणको सम्झौता गरेकोमा ६९६ पहिलो किस्ता लिएको विवरण कार्यालयले पेश गरेको छ । सुरक्षित आवास कायक्रमबाट प्रति घर २ किस्तामा ५० हजार भुक्तानी हुने यस कार्यक्रममा पहिलो किस्तामा संघीय सशर्तबाट ४४३ जनालाई ३० हजार र नगरपालिकाबाट २५३ जनालाई पहिलो किस्तामा २० हजार भुक्तानी दिएको छ । यस आर्थिक वर्ष भित्र ६९६ लाभग्रहीलाई प्रथम किस्ता वापत रू. १ करोड ८३ लाख ३५ हजार भुक्तानी गरेको छ । यस प्रकारको वितरणमुखी कार्यमा खर्च गर्दा लाभग्राही छनौटको आधार, गत विगत वर्षमा यस प्रकारको सुविधा लिए नलिएको, जस्ता पाताको गुणस्तर तथा स्पेशिफिकेशन तयार गरी अन्य निकायबाट यस प्रकारको सुविधा नलिएको सुनिश्चितता गरेको देखिएन । यस्तो कार्यमा सुधार हुनु पर्दछ । यस वर्ष आवास निर्माणको लागि अनुदान पाउनेको विवरण देहाय अनुसार छ ।<br><table>
<tr><td>स्रोत</td><td>किस्ता</td><td>भुक्तानी पाउने संख्या</td><td>दर</td><td>रकम</td></tr>
<tr><td>पहिलो किस्ता</td><td></td><td></td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>दोस्रो किस्ता लिन बाँकी</td><td>दोस्रो किस्ता लिन बाँकी</td><td>६९६</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>कुनै किस्ता नलिने</td><td>कुनै किस्ता नलिने</td><td>०</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>जम्मा</td><td>जम्मा</td><td>६९६</td><td>५००००</td><td>१८३५००००</td></tr>
</table></td><td></td></tr>
<tr><td>४४.२</td><td>२६०</td><td>२०७९-३-२५</td><td>नाफामूलक संस्थालाई अनुदान – स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ७६ वितरणमुखी खर्चलाई नियन्त्रण गर्दै संघ तथा प्रदेश सरकारबाट प्राप्त रकमलाई स्थानीय पूर्वाधार विकास तथा दीर्घकालीन पूँजी निर्माण हुने कार्यमा खर्च गर्नुपर्दछ । जसबाट नाफा कमाउने उद्देश्यले स्थापित संस्थालाई अनुदान उपलब्ध गराउन मिल्दैन ।यदि उपलब्ध गराउने हो भने पनि सार्बजनिक रुपमा निःशुल्क वा न्यून शुल्कमा सेबा उपलब्ध गराउने सुनिश्चित हुनुपर्दछ । यस स्थानीय तहले साझा न्यूज पत्रिकाको कार्यालय निर्माणको लागि रु. ९९१५०।- अनुदान उपलब्ध गराएको छ।तर त्यसबाट उपरोक्त बमोजिम सेवा प्रबाह हुने सुनिश्चित छैन । यस्तो खर्चमा नियन्त्रण गर्नु पर्दछ ।</td><td></td></tr>
</table>

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| ४४.३ | २६ | २०७९-३-२४ | इन्डक्सन चुलो खरिदः स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ७६ वितरणमुखी खर्चलाई नियन्त्रण गर्दै संघ तथा प्रदेश सरकारबाट प्राप्त रकमलाई स्थानीय पूर्वाधार विकास तथा दीर्घकालीन पूँजी निर्माण हुने कार्यमा खर्च गर्नु पर्ने व्यवस्था छ । नवीकरणीय उर्जा प्रविधि जडान वायोग्यास।विद्युतीय चुलो।सुधारिएको चुलो र सौर्य उर्जा जडान कार्यक्रमबाट ए टु जेड सप्लायर्सबाट इन्डक्सन चुल्हो रू. ४७९९ को दरले १६६ थान रू. ७९६६३५।- मा खरिद गरेको छ । यसरी खरिद गरेको इन्डक्सन चुल्हो १६६ जनालाई वितरण गरेको भर्पाइ पेश गरेको छ । इन्डक्सन चुल्हो वितरण कार्यक्रमबाट जनताले पाएको लाभ, घरमा इन्डक्सन चुल्हो प्रयोग गरे नगरेको अवस्था खुल्ने गरी तयार पारेको प्रतिवेदन लेखापरीक्षणमा पेश नभएकोले कार्यक्रमको प्रभावकारिता सम्बन्धमा विश्लेषण गर्न सक्ने अवस्था छैन । स्थानीयeवासीको आर्थिक अवस्था, घरमा सो चुल्हो प्रयोग गरे नगरेको अवस्थाको अनुगमन समेत गरेको पाइएन । यसमा सुधार हुनु पर्दछ । | |
| ४४.४ | | | एफ.एम.भवन निर्माण अनुदान – स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ७६ वितरणमुखी खर्चलाई नियन्त्रण गर्दै संघ तथा प्रदेश सरकारबाट प्राप्त रकमलाई स्थानीय पूर्वाधार विकास तथा दीर्घकालीन पूँजी निर्माण हुने कार्यमा खर्च गर्नुपर्दछ । जसबाट नाफा कमाउने उद्देश्यले स्थापित संस्थालाई अनुदान उपलब्ध गराउन मिल्दैन ।यदि उपलब्ध गराउने हो भने पनि सार्बजनिक रुपमा निःशुल्क वा न्यून शुल्कमा सेबा उपलब्ध गराउने सुनिश्चित हुनुपर्दछ । यस स्थानीय तहले सामुदायिक रेडियो विजयनगरको लागत अनुमान रू. ३२३५५३७।– को भवन निर्माणको लागि तराई मधेश समृद्धि कार्यक्रम रू. २५ लाख र गाउँपालिकाको बजेट रू. ५ लाख बजेट विनियोजन गरी उपभोक्ता समितिबाट निर्माण गर्ने गरी रु. २९१२००० मा सम्झौता गरेको छ ।सम्झौता अनुसार तराई मधेश समृद्धि कार्यक्रमबाट रू. २३७४८५० र गाउँपिलकाबाट रू. ५ लाख अनुदान उपलब्ध गराएको छ।लेखापरीक्षण अविधिसम्म रेडियो प्रशारण हुनु नसकेको र सेवा प्रबाह हुने समेत सुनिश्चित भएको छैन। यस्तो खर्चमा नियन्त्रण गर्नु पर्दछ । | |
| ४५ | | | **औषधि खरिद** | |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| ४५.१ | | | औषधि खरिद– सार्वजनिक खरिद नियमावली, २०६४ को नियम ८५ को उपनियम १(क) मा बीस लाख रुपैयाँसम्मको औषधिजन्य मालसामान उत्पादकले राष्ट्रिय स्तरको समाचार पत्रमा सूचना प्रकाशन गरी तोकेको बिक्री मूल्यमा सोझै खरिद गर्न सकिने व्यवस्था भए छ । तर स्थानीय तहहरूले उक्त प्रक्रिया वेगर रू.१९ लाखको सोझै खरिद गरेको छ । यस सम्बन्धी देखिएको व्यहोराहरू निम्नानुसार छनः<br><br>• खरिद गरेका उक्त औषधि कुन औषधि कम्पनीबाट उत्पादन भएको हो र सोको मूल्य राष्ट्रिय पत्रपत्रिकामा प्रकाशन समेत भएको नदेखिएको,आपूर्ति हुने औषधि डव्लु।एच।ओ। सटिफइड हुनुपर्ने औषधिको उत्पादन मिति, ब्याच नं र म्याद समाप्त मिति उल्लेख गरी सम्बन्धित विषय विज्ञबाट मुचुल्का उठाई राख्ने नगरेको तथा उक्त औषधि बिक्रीको लागि होइन खुलाएको प्रमाण समावेश नभएको,<br>• औषधिको जिन्सी कितावमा आम्दानी बाँध्दा खरिद गरेको र जिल्लाबाट हस्तान्तरण भई आएको खुल्ने गरी व्यवस्थित रुपमा आम्दानी बाँध्ने नगरेको,<br>• औषधिको खर्च घटाउदा मागफारामको आधारमा घटाउनु पर्ने एकमुष्ट घटाउने गरेको ।<br><br>तसर्थ औषधिको खरिद, आपूर्ति, दाखिला तथा खर्चको विवरण अद्यावधिक हुने गरी अभिलेख राख्ने, तोकीएको गुणस्तर अनुसारकै औषधि प्राप्त भएको नभएको एकीन गरी हस्तान्तरण तथा खरिद गरिएको औषधिको विवरण खुल्ने गरी अभिलेख राख्ने तथा आर्थिक वर्षको अन्त्यमा बाँकी रहेको औषधिहरु जिम्मेवारी जिन्सी अभिलेख व्यवस्थित गर्नेतर्फ ध्यान दिनुपर्दछ । | |
| ४५.२ | | | प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम सञ्चालन निर्देशिका, २०७५(२०) मा कुनैपनि आयोजना निर्माण गर्दा आवश्यक पर्ने अदक्ष श्रमिक आयोजना प्रमुख मार्फत काम लगाउने व्यवस्था छ । यस स्थानीय तहले कुलो तथा सडक मर्मत जस्ता कार्यक्रमहरु संचालन गरेको छ। यस्तो अवस्थामा सो कार्यक्रम संचालनका लागि अदक्ष कामदार मार्फत कार्य गराउनु पर्दछ। सडक विभागको नर्म्स नं. ९.१ अनुसार १२ घन मिटर काम गर्न दक्ष १ जना र अदक्ष ८ जना ज्यामी लाग्ने व्यवस्था छ । पालिकाले unskill ८ जना र १ जना skill सहितको ९ जना समावेश गरी लागत अनुमान तयार गरेको पाइयो । दक्ष मजदुरको एक जना समेत समावेश गरेकोले फरक पर्न आएको प्रति घनमिटरको दर रु ४९.५३ × कुल रु, १६०२६ घनमिटर गरी नियमित गर्नु पर्ने रकम रु. | ७९३,७६८ |
| ४६ | | | अनुगमन तथा सम्परीक्षण<br>स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ८४ मा बेरुजु फर्छयौट गर्ने व्यवस्था रहेको छ । सोही एनको दफा ८४(२)(घ) मा बेरुजु फछयौट गर्ने गराउने काम कर्तव्य प्रमुख प्रशासकीय अधिकृतको हुने व्यवस्था छ । यो वर्षको लेखापरीक्षणको क्रममा भई सम्परीक्षण भई गत वर्षसम्मको बाँकी बेरुजु निम्नानुसार रहेको छ । | |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| | | | <table><tr><td>गत वर्ष सम्मको बेरुजु</td><td>यो वर्ष सम्परीक्षण गरिएको बेरुजु</td><td>गत वर्ष सम्मको बाँकी बेरुजु</td></tr><tr><td>(A )</td><td>(B )</td><td>(C=A-B )</td></tr><tr><td>९२५३५०००</td><td>३६९५९७६.२५</td><td>८८८३९०२३.७५</td></tr></table><br>यस वर्ष फर्छयौट भएको बेरुजुको स्थिति निम्नानुसार छ । | |

| क्रम | भौचर नम्बर | भौचर मिति | बिषय | बेरुजु रकम |
|---|---|---|---|---|
| | | | | |

| आ.व. | बेरुजु दफा नं. | बेरुजुको व्यहोरा | फर्छ्यौटको आधार असुली | प्रमाण | नियमित | पेश्की | सम्परीक्षण |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २०७४।७५ | १९ | १.५ प्रतिशत अग्रिम कर कट्टा नगरेको । | २२१४ | ० | ० | ० | २२१४ |
| २०७४।७५ | २६ | एफ.एम. संचालनका लागि दिएको अनुदान संचालन नभएकोले अनुदान रकम असुल गर्नुपर्ने । | ९५८००० | ० | ० | ० | ९५८००० |
| २०७५।७६ | ५५ | तलब, महंगी भता र पोसाक भता माग भन्दा बढी निकासा भएकोले असुल हुनुपर्ने । | १७१५० | ० | ० | ० | १७१५० |
| २०७५।७६ | ६५ | रौताहा लुम्बिनी संस्कृती जे.भि. को पेश्की फर्छ्यौट । | ० | ० | ० | २६१६००० | २६१६००० |
| २०७६।७७ | ७७ | नापी किताब भन्दा बढि भुक्तानी भएकोले असुल गर्नुपर्ने । | ८३९१२.२५ | ० | ० | ० | ८३९१२.२५ |
| २०७६।७७ | ८४ | बैठक भता असुल गर्नुपर्ने । | १८७०० | ० | ० | ० | १८७०० |
| | | जम्मा सम्परीक्षण रकम | | | | | ३६९५९७६.२५ |

पुनश्चः पालिकाद्धारा अनियमित बेरुजु रु. २४६६८७९६.६० सम्परीक्षणको लागि पेश भएकोमा निर्णयानुसार जानकारी गराइनेछ ।साथै आ.व. २०७४।७५ को पेश्की रु. ८९१००० को फर्छ्यौटको सम्परीक्षण नहुने भनी निर्णय भएको समेत जानकारीको लागि अनुरोध छ ।



https://nams.oag.gov.np

<table>
<tr><th>क्रम</th><th>भौचर नम्बर</th><th>भौचर मिति</th><th>बिषय</th><th>बेरुजु रकम</th></tr>
<tr><td>४७</td><td></td><td></td><td>अद्यावधिक बेरुजु<br>यस पालिकाको २०७८।७९ सम्मको फछ्यौट गर्न बाँकी बेरुजुको स्थिति देहायअनुसार रहेको छ ।<br>
<table>
<tr><th>गत वर्षसम्मको बाँकी बेरुजू (A)</th><th>यो वर्ष संपरीक्षण गरिएको बेरुजू (B)</th><th>यो वर्ष कायम बेरुजू (C)</th><th>संपरीक्षणबाट कायम बेरुजू (D)</th><th>अध्याविधक बाँकी बेरुजू<br>(E=A-B+C+D)</th></tr>
<tr><td>९२५३५०००</td><td>३६९५९७६.२५</td><td>५०९२१२८९</td><td>०</td><td>१३९७६०३१२.७५</td></tr>
</table>
</td><td></td></tr>
</table>